तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com   कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 37 अंक 97   कोरबा, मंगलवार , दिनांक 06 जनवरी 2026 डाक 07 जनवरी 2026   पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं थम रही हिंसा, 18 दिनों में 6 हिंदुओं की हत्या

ढाका, 06 जनवरी [एजेंसी]।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। उस्मान हादी की हत्या के बाद भड़की हिंसा में 18 दिनों में 6 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। इनमें से दो हत्याएं बीते 24 घंटे में अंजाम दी गई हैं। हैरान करने वाली बात है कि इन हत्याओं के बावजूद बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। बांग्लादेश के नरसिंगदी में एक किराने की दुकान के मालिक शरत चक्रवर्ती मणि की बेरहमी से हत्या कर दी गई। वहीं सोमवार के ही दिन जशोर के मनीरामपुर में गोली मारने के बाद गला काट कर हिंदू पत्रकार राणा प्रताप बैरागी की नृशंस हत्या को अंजाम दिया गया।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राजधानी ढाका के बाहरी इलाके नरसिंगदी में 40 वर्षीय हिंदू युवक शरत चक्रवर्ती मणि की चरमपंथियों धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शरत नरसिंगदी के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराने की दुकान पर थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने अचानक उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। जब स्थानीय लोग उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे, तो रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक शरत चक्रवर्ती मणि पहले दक्षिण कोरिया में काम करते थे

और कुछ साल पहले बांग्लादेश लौट आए थे। मृतक शरत चक्रवर्ती मणि पहले दक्षिण कोरिया में काम करते थे और कुछ साल पहले बांग्लादेश लौट आए थे। बांग्लादेश के सामाजिक कार्यकर्ता बप्पादित्य बसु ने शरत की हत्या का कड़ा विरोध किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यही सिलसिला जारी रहा तो कुछ ही वर्षों में बांग्लादेश में हिंदुओं का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मोहम्मद यूनुस की सरकार हिंदुओं की हत्याओं का समर्थन कर रही है। उन्होंने दावा करते हुए कहा, घटना से दो दिन पहले चरमपंथियों ने शरत से बड़ी रकम की मांग की थी। चरमपंथियों ने इसे जजिया कहा था। चरमपंथियों ने धमकी दी थी कि अगर उन्होंने पुलिस में कोई शिकायत दर्ज कराई, तो उनकी पत्नी का अपहरण कर लिया जाएगा। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। पिछले 18 दिनों में एक पत्रकार और एक किराना दुकानदार समेत करीब छह लोगों की हत्या कर दी गई है। बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाकर की जा रही इस हत्याओं की हम कड़ी निंदा करते हैं और पूरा देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक की अन्य सभी पार्टियां इस मुद्दे पर चुप हैं। वे वेनेजुएला के बारे में तो ज्यादा बात कर रहे हैं, लेकिन हिंदुओं की दुर्दशा के बारे में कुछ नहीं बोल रहे हैं। मेरा मानना है कि पूरे देश को एकजुट होकर कूटनीतिक दबाव बनाना होगा। भारत सरकार ऐसा कर रही है।

बांग्लादेश के मनीरामपुर के जशोर में एक हिंदू पत्रकार राणा प्रताप बैरागी की भी सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। 45 वर्षीय फैक्ट्री मालिक और एक अखबार के संपादक के तौर पर काम करने वाले बैरागी को हमलावरों ने कई बार सिर में गोली मारी। इसके बाद हमलावरों ने उनका गला रेत दिया। मनीरामपुर पुलिस स्टेशन के अधिकारी मोहम्मद रजीउल्लाह खान ने बताया कि हमला सोमवार की शाम को करीब 6 बजे हुई। राणा को सिर में तीन बार गोली मारी गई थीं और उनका गला रेत दिया गया था। हमलावरों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

स्टाफ क्वार्टर में भीषण आग, मेट्रो असिस्टेंट इंजीनियर समेत तीन की मौत

नईदिल्ली 06 जनवरी [एजेंसी]।

दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में स्थित डीएमआरसी स्टाफ क्वार्टर में सोमवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। सेकंड फ्लोर पर अचानक आग लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में मेट्रो के एक असिस्टेंट इंजीनियर, उनकी पत्नी और उनकी दस साल की मासूम बेटी शामिल हैं। हादसे के समय पूरा परिवार फ्लैट के अंदर सो रहा था। आग लगने की सूचना फायर कंट्रोल रूम को रात करीब 2.39 बजे पर मिली। सूचना मिलते ही पास के फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके के लिए रवाना की गईं। जब फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने के बाद फ्लैट के अंदर सर्च ऑपरेशन किया गया, तो वहां से तीन लोगों के शव बरामद हुए।

इस दौरान आग बुझाने में लगे एक फायरकर्मी को भी चोटें आई हैं, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दिल्ली फायर सर्विस के एक अधिकारी ने कहा, हमें रात 2.39 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। टीम मौके पर पहुंची तो आग काफी फैल चुकी थी। आग पर काबू पाने के बाद जब अंदर जांच की गई, तो तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई। वहीं, पुलिस को इस घटना की जानकारी करीब रात 3 बजे के आसपास मिली। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पहले फ्लैट के अंदर धुआं भरा और उसके बाद तेज ब्लास्ट हुआ, जिससे आग और भी भड़क गई। हालांकि, ब्लास्ट किस वजह से हुआ, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। आग लगने के सही कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। शॉर्ट सर्किट, गैस लीक या किसी अन्य तकनीकी वजह से आग लगी, इस पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा।

सिद्धिविनायक मंदिर गणेश जयंती के लिए पांच दिनों के लिए रहेगा बंद

मुंबई। श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर मुंबई के सबसे मशहूर मंदिरों में से एक है, जो भगवान गणेश को समर्पित है। हर साल, मंदिर जनवरी में पांच दिनों के लिए बंद रहेगा ताकि माघी गणेश जयंती की तैयारी की जा सके, जो 22 जनवरी, 2026 को मनाई जाएगी। यह शुभ त्योहार, जिसे माघी जयंती के नाम से भी जाना जाता है, भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जिन्हें ज्ञान, नई शुरुआत और खुशहाली का देवता माना जाता है। यहां बताया गया है कि सिद्धिविनायक मंदिर हर साल माघी जयंती से पहले कई दिनों के लिए क्यों बंद रहता है। जैसे-जैसे शहर माघी जयंती की तैयारी कर रहा है, भक्त बुधवार, 7 जनवरी, 2026 से 11 जनवरी तक सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन नहीं कर पाएंगे। मंदिर माघी गणेश जयंती समारोह के लिए बंद रहेगा।

आवारा कुत्तों की गिनती के मुद्दे पर सदन में हंगामा बीजेपी ने केजरीवाल से की माफी की मांग

नईदिल्ली 06 जनवरी [एजेंसी]।

दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन, मंगलवार को भी सदन की कार्यवाही की शुरुआत आवारा कुत्तों की गिनती के मुद्दे पर जोरदार हंगामे के साथ हुई। भाजपा के विधायक अजय महावर ने सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए आम आदमी पार्टी (आप) पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया। महावर ने मांग की कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस मामले में माफी मांगनी चाहिए। सदन में बढ़ता हंगामा और गरमागरमी को देखते हुए, विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही को 30 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा। दोबारा बैठक शुरू होने पर विधानसभा में फिर हंगामा होने लगा। जिसे देखते हुए।

एक बजे तक बैठक स्थगित कर दी गई।इस मुद्दे पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने केजरीवाल को पत्र लिखा है। जिसमें आशीष सूद ने अरविंद केजरीवाल पर भ्रामक और तथ्यहीन बयान देने का आरोप लगाते हुए इसे अफवाह फैलाने वाला बताया है। आशीष सूद ने लिखा है कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। केजरीवाल को लिखे एक लेटर में मंत्री ने कहा, आपने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया है कि टीचरों को आवारा कुत्तों की गिनती से जुड़ी ड्यूटी दी जा रही है। ये दावे न सिर्फ गलत हैं, बल्कि तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने जैसा भी है।

दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान दिल्ली भाजपा विधायकों ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा विधायक हरीश खुराना ने कहा, केजरीवाल और आप गैंग ने झूठ बोला, उन्होंने दावा किया कि हमने कुत्तों को लेकर कोई ऑर्डर पास किया है। उन्हें शर्म आनी चाहिए। आज हमने विधानसभा में मांग की कि वे इसके लिए माफी मांगें। हम मांग करते हैं कि वे दिल्ली से, अध्यापकों से और पूरे देश से माफी मांगें।

थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी कार्तिगई दीपम विवाद पर एकल पीठ का फैसला बरकरार, अदालत का बड़ा फैसला

मद्रास, 06 जनवरी [एजेंसी]।

तमिलनाडु के मदुरै में थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित दीपथून में दीपम जलाने के मामले को लेकर मद्रास हाईकोर्ट ने एकल न्यायाधीश के फैसले को बरकरार रखा है। कार्तिगई दीपम विवाद को लेकर मंगलवार को आए मद्रास हाईकोर्ट के इस फैसले को बड़ा फैसला माना जा रहा है। थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर दरगाह के पास स्थित दीपथून पर दीप जलाने को लेकर हाईकोर्ट के एकल न्यायाधीश ने निर्देश जारी किए थे। हालांकि, तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने कानून-व्यवस्था बिगड़ने का हवाला देकर प्रशासन की तैनाती से इनकार कर दिया था। तमिलनाडु सरकार ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक मद्रास हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन और न्यायमूर्ति केके रामकृष्णन की खंडपीठ ने आदेश सुनाते हुए कहा, अपीलकर्ताओं- जिनमें राज्य सरकार, हजरत सुल्तान सिकंदर बादशाह अवुलिया दरगाह शामिल हैं- यह दिखाने के लिए ठोस सबूत पेश करने में विफल रहे हैं कि आगम शास्त्र उस स्थान पर दीपक जलाने से रोकता है। उन्होंने तमिलनाडु की डीएमके सरकार पर टिप्पणी करते हुए कहा, कानून और व्यवस्था का मुद्दा एक काल्पनिक भूत है। शक्तिशाली राज्य का यह डर हास्यास्पद और चौंकाने वाला है कि देवस्थानम के प्रतिनिधियों को साल के किसी खास दिन पत्थर के स्तंभ पर दीपक जलाने की अनुमति देने से जन शांति भंग हो जाएगी। पीठ ने कहा कि कानून और व्यवस्था की आशंका राज्य अधिकारियों की ओर से अपनी सुविधा के लिए एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ संदेह के घेरे में डालने के लिए गढ़ा गया एक काल्पनिक भूत था।

शरजील-उमर को जमानत न मिलने के बाद JNU में आधी रात प्रदर्शन, पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी

नईदिल्ली 06 जनवरी [एजेंसी]।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में उस समय तनाव का माहौल बन गया जब छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज होने के बाद प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और विवादित नारे लगाए गए।

कल रात हुए विरोध प्रदर्शन के एक कथित वीडियो के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की गई। यह घटना 5 जनवरी 2020 को जेएनयू परिसर में छात्रों पर हुए हमले की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई। जेएनयू छात्र संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने शरजील इमाम और उमर खालिद को जमानत न मिलने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। विश्वविद्यालय प्रशासन इस मामले की जांच में जुट गया है और घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाने का प्रयास कर रहा है।

सोनिया गांधी फिर गंगा राम अस्पताल में भर्ती इस समस्या के बाद कराया गया दाखिल

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को मंगलवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों के अनुसार, उनकी हालत स्थिर है और उन्हें एक छाती रोग विशेषज्ञ की निगरानी में रखा गया है। यह एक नियमित भर्ती बताई जा रही है, लेकिन अस्पताल के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि सोनिया गांधी को पुरानी खांसी की समस्या है और वे शहर में प्रदूषण को देखते हुए नियमित जांच के लिए आती रहती हैं। उन्हें सोमवार शाम को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सोनिया गांधी की स्वास्थ्य स्थिति ठीक है। उन्हें विशेष रूप से छाती से संबंधित समस्याओं के लिए चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया है। उन्हें पहले से ही पुरानी खांसी की शिकायत रही है, जिसके कारण वे नियमित अंतराल पर अस्पताल आकर अपनी जांच करवाती हैं। दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण स्तर को देखते हुए, ऐसे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पुलिस और बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई: हेरोइन बरामद, 4 तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब में नशे और संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई लगातार जारी है। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। डीजीपी पंजाब पुलिस के अनुसार, एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) बॉर्डर रेंज ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त अभियान चलाकर ट्रांस-बॉर्डर स्मगलिंग के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में करीब 19.980 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें ड्रग सप्लाई चेन को संचालित करने वाला एक मुख्य आरोपी भी शामिल है। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में था और सीमा पार से आने वाली मादक पदार्थों की खेप की डिलीवरी और पूरे इलाके में इसके वितरण का समन्वय कर रहा था। पुलिस का कहना है कि इस नेटवर्क के तार अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जुड़े हुए हैं। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। फिलहाल जांच जारी है, जिसमें सीमा पार मौजूद हैंडलर्स की पहचान, सप्लाई रूट्स का पता लगाने और पूरे ड्रग नेटवर्क को जड़ से खत्म करने पर फोकस किया जा रहा है।डीजीपी गौरव यादव ने आगे कहा कि पंजाब पुलिस राज्य को नशा मुक्त बनाने और सीमापार से संचालित नार्को नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इससे पहले भी पंजाब पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की थी।

पश्चिमी सिंहभूम में हाथी ने एक व्यक्ति और दो बच्चों को मार डाला

पश्चिमी सिंहभूम। जिले में एक जंगली हाथी ने एक आदमी और उसके दो बच्चों को कुचलकर मार डाला। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना सोमवार रात गोइलकेरा ब्लॉक में हुई, जहां परिवार जंगल के अंदर लकड़ी की झोपड़ी में रह रहा था। फॉरेस्ट रेंजर नंदराम ने बताया कि हाथी ने देर रात झोपड़ी पर हमला किया, जिससे आदमी और उसके दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई और उसकी दूसरी बेटी घायल हो गई, जो जिंदगी और मौत से जूझ रही है। उन्होंने बताया कि घायल लड़की को पहले गोइलकेरा में फर्स्ट एड दिया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए राउरकेला के एक हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया। मरने वालों की पहचान कुंद्रा बहांडा, कोडमा बोहांडा और सामू बहांडा के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि बच्चों की मां बाल-बाल बच गई। पिछले दो हफ्तों में जंगली हाथियों के सात लोगों की जान लेने से इलाके में दहशत फैल गई है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.) Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

ईरान में हिंसा से बेकाबू हुए हालात, अब तक 35 की मौत, हिरासत में 1200 लोग

ईरान, 06 जनवरी [एजेंसी]।

ईरान में पिछले एक हफ्ते से भी ज्यादा समय से भड़की हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। हिंसक प्रदर्शन में अब तक 35 लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। हालातों पर काबू पाने के लिए ईरान सरकार ने 1200 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया है। अमेरिका आधारित मानवाधिकार ईरानी हिंसा में 29 प्रदर्शनकारी समेत 4 बच्चों, 2 सुरक्षाबलों की मौत हो चुकी है। ईरान के 31 में से 27 राज्य हिंसा की चपेट में हैं। पूरे ईरान में 250 से ज्यादा जगहों पर हिंसक प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। ईरान में मृतकों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को तेहरान को धमकी देते हुए कहा, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने

वाले प्रदर्शनकारियों को जबरन मारा जा रहा है। हम उनके बचाव के लिए जरूर आएंगे। हालांकि, ईरान को लेकर ट्रंप का क्या प्लान है। ये अभी तक साफ नहीं है। ट्रंप बातचीत से मामले को सुलझाने की कोशिश करेंगे या फिर ईरान पर सैन्य कार्रवाई करेंगे, इसपर अभी तक सस्पेंस बना हुआ है। खासकर वेनेजुएला पर अमेरिका के हमले के बाद मिडिल ईस्ट में एक बार फिर हालात खराब होने के कयास लगाए जा रहे हैं। 2022 के बाद ईरान में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं।

पुलिस की हिरासत में मौजूद 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद ईरान में अचानक हिंसा भड़क उठी है। कई महिलाओं को हिजाब न पहनने की वजह से हिरासत में ले लिया गया है। ईरान में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। ईरान और इजरायल के बीच छिड़े 12 दिन के युद्ध के बाद अमेरिका ने तेहरान पर एयर स्ट्राइक की। दिसंबर में ईरान की मुद्रा ऑल टाइम लो पर पहुंच गई। वहीं, अब नए साल की शुरुआत से पहले ही ईरान के ज्यादातर इलाके हिंसा की चपेट में आ गए हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का लंबी बीमारी के बाद निधन

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सीनियर कांग्रेस नेता सुरेश कलमाडी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्हें पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके पार्थिव शरीर को दोपहर 2 बजे तक पुणे के एरंडवाने स्थित कलमाडी हाउस में रखा जाएगा और अंतिम संस्कार दोपहर 3.30 बजे पुणे के नवी पेठ स्थित वैकुंठ श्मशान भूमि में होगा।

आबकारी एक्ट के तहत कोरबा पुलिस ने की बड़ी कार्यवाही-एक दिन में 44 प्रकरण दर्ज

कोरबा । आबकारी अधिनियम के तहत अवैध मादक द्रव्य पदार्थ के खिलाफ कोरबा पुलिस ने बड़ी और प्रभावी कार्यवाही की है। जानकारी के अनुसार एक ही दिन में जिले भर में सघन अभियान चलाते हुए पुलिस ने 44 प्रकरण दर्ज कर 653.3 लीटर अवैध देशी महुआ से निर्मित मादक द्रव्य पदार्थ जब्त किया है। इस कार्यवाही में कुल 43 आरोपियों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की गई है।

यह अभियान कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों तथा पुलिस स्टाफ द्वारा चलाया गया। 04 जनवरी को विशेष अभियान के तहत अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और विक्रय में लिप्त लोगों के खिलाफ एक साथ कार्यवाही की गई।

पुलिस के अनुसार, जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध रूप से तैयार और संग्रहित महुआ निर्मित मादक द्रव्य पदार्थ को जब्त किया गया। कार्यवाही के दौरान कुल 653.3 लीटर अवैध देशी महुआ से निर्मित मादक द्रव्य पदार्थ को बरामद किया गया, जिसे आबकारी अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया है।

कोरबा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध देशी महुआ से निर्मित मादक द्रव्य पदार्थ के कारोबार के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी अवैध देशी महुआ से निर्मित मादक द्रव्य पदार्थ के निर्माण, परिवहन या बिक्री की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय पर कार्यवाही कर ऐसे अवैध धंधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

पोंडी ब्लाक में शिक्षकों की कमी से पढ़ाई प्रभावित

कोरबा। आकांक्षी जिला कोरबा के आकांक्षी ब्लॉक पोंडीउपरोड़ा में शिक्षकों की कमी के कारण प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के बाद भी ब्लॉक में सहायक शिक्षक और शिक्षक (एल.बी.) के कुल 158 पद रिक्त बने हुए हैं।

सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत प्राप्त जानकारी के अनुसार, पोंडीउपरोड़ा ब्लॉक की 405 शासकीय प्राथमिक शालाओं में सहायक शिक्षक के 94 पद रिक्त हैं। इसी तरह 137 शासकीय माध्यमिक शालाओं में शिक्षक (एल.बी.) के 64 पदों पर नियुक्ति नहीं हो सकी है।

शिक्षकों की कमी के चलते कई विद्यालयों में एक ही शिक्षक को एक से अधिक कक्षाओं का संचालन करना पड़ रहा है, जिससे पढ़ाई की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्र होने के कारण पहले से ही शैक्षणिक चुनौतियों से जूझ रहे इस ब्लॉक में स्थिति और गंभीर होती जा रही है।

ब्लॉक के अंतर्गत एतमानगर, मुड़ढक्की, औराभांठा, बरतराई, आमाखोखरा, रामपुर, अमलडीहा, मुकुवा, खिरटी, नवापारा, सलिहापहरी, अरसिंया, गुडरुमुड़ा, हथमार, सिरकीकला, पुटुवा, बेतलो, कौआताल, बिंझरा, दमहामुड़ा सहित बड़ी संख्या में प्राथमिक शालाओं में सहायक शिक्षक पदस्थ नहीं हैं।इसी प्रकार रामपुर, अमलड़ीहा, आमाटिकरा, उचलैंगा, अरसिंया, बैरा, परला, बाँझीबन, गुडरुमुड़ा, नवापारा, चन्द्रोटी, पंडरीपानी, छिंदिया, दुल्लापुर, गडरा, गुरसियाँ, जटगा, झिनपुरी, तुलबुल, कटोरीनगोई, केंदई, लखनपुर, पाली, पोंडीकला, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पोंडीउपरोड़ा सहित अनेक माध्यमिक शालाओं में शिक्षक (एल.बी.) के पद रिक्त हैं।

शिक्षा से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र ही रिक्त पदों की पूर्ति नहीं की गई, तो विद्यार्थियों की पढ़ाई पर इसका सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने शासन से मांग की है कि आकांक्षी ब्लॉक पोंडीउपरोड़ा में शिक्षकों की नियुक्ति को प्राथमिकता दी जाए, ताकि शिक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाया जा सके।

रामपुर प्रीमियर लीग का समापन

कटघोरा। विकासखंड अंतर्गत ग्राम रामपुर के रघुनाथ स्टेडियम में आयोजित आरपीएल 2025-26 (रामपुर प्रीमियर लीग) क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार को भव्य समापन हुआ। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी टूर्नामेंट का आयोजन 21 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक किया गया, जिसमें क्षेत्र की कई टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मास्टर 11 और द फाइटर्स के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में मास्टर 11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया, जबकि द फाइटर्स उपविजेता रही। फाइनल मैच देखने के लिए रघुनाथ स्टेडियम में बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

समापन समारोह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष निलेश बिस्वास मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ मोहम्मद इरशाद जिला महामंत्री कोरबा एवं नंद लाल पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रिकेट मैच के अध्यक्ष लखन दिवान ने की, जबकि उपाध्यक्ष मुकेश दिवान एवं सचिव संजू दिवान ने आयोजन की जिम्मेदारी संभाली।एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष निलेश बिस्वास ने अपने कर-कमलों से विजेता टीम मास्टर 11 एवं उपविजेता द फाइटर्स को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। टूर्नामेंट के दौरान सर्वाधिक 350 रन बनाने वाले खिलाड़ी अमन भाढ़ीया को 'मैन ऑफ द सीरीज' के खिताब से नवाजा गया। टूर्नामेंट का द्वितीय पुरस्कार रामपुर के सरपंच प्रदीप कुमार के सौजन्य से प्रदान किया गया।इस अवसर पर निलेश बिस्वास, मोहम्मद इरशाद, नंद लाल पटेल, नरेंद्र साहू समाजसेवी, उत्तम सिंह आरबीसी सेंटर, प्रदीप कुमार सरपंच रामपुर, प्राण सिंह पूर्व सरपंच रामपुर एवं सूर्यभवन मीडिया प्रभारी रामपुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन में संयोजक मुकेश महंत, संतोष महंत एवं लखन महंत का विशेष योगदान रहा। मैच के दौरान दर्शकों का मनोरंजन बनाए रखने में नृत्य बालिकाओं की प्रस्तुतियों ने भी अहम भूमिका निभाई।

खेलो इण्डिया ट्राईबल गेम्स का चयन ट्रायल

कोरबा । भारतीय खेल प्राधिकरण के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ शासन,खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेलो इण्डिया ट्राइबल गेम्स का प्रथम संस्करण छत्तीसगढ़ राज्य में दिनांक-14 फरवरी 2026 से होना निर्धारित किया गया है। उपरोक्त आयोजन में राज्य दल की भागीदारी सुनिश्चित करने खिलाड़ियों का चयन ट्रायल दिनांक-6 से 8 जनवरी 2026 को बिलासपुर एवं रायपुर में आयोजित किया जायेगा। उक्त महत्वाकांक्षी प्रतियोगिता अनुसूचित जनजाति वर्ग के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम है। खेलो इण्डिया ट्राइबल गेम्स में छत्तीसगढ़ राज्य टीम(महिला एवं पुरुष) के लिये निम्न खेलों में चयन किया जाना है-एथलेटिक्स,तीरंदाजी एवं तैराकी का चयन ट्रायल स्व.बी.आर.यादव स्टेडियम, बिलासपुर में दिनांक-7 जनवरी 2026 को प्रात: 9 बजे से प्रारंभ होगा। वैटलिफ्टिंग 6 जनवरी को प्रात: 9 बजे से, कुश्ती 7 जनवरी का प्रात: 9 बजे से, एवं फुटबॉल का चयन ट्रायल 7 व 8 जनवरी को प्रात: 9 बजे से स्वामी विवेकानंद स्टेडियम रायुपर में तथा हॉकी का सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम रायुपर में दिनांक-7 एवं 8 जनवरी 2026 को प्रात: 9 बजे से प्रारंभ किया जायेगा।

आंगनबाड़ी के माध्यम से शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : कलेक्टर

सुपोषण चौपाल के माध्यम से कुपोषित बच्चों व किशोरी बालिकाओं के पोषण स्तर में सुधार लाने के दिए निर्देश

कोरबा । कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने आज जिला सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी लेकर उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त पदों पर भर्ती, बाल सम्प्रेषण गृह, मध्यम एवं गंभीर कुपोषित बच्चों हेतु पोषण आहार वितरण, गर्भवती और शिशुवती महिलाओं को टीएचआर का वितरण, रेडी टू ईट सामग्री, आंगनबाड़ी में उपलब्ध सुविधाएँ, कमियाँ, पेयजल आपूर्ति, शौचालय व्यवस्था, सखी वन स्टॉप सेंटर, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, महतारी वंदन योजना ई-केवाईसी, पालना घर संचालन, नवा बिहान, बाल विवाह रोकथाम, बाल कल्याण समिति सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की।उन्होंने निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से महिला एवं बाल विकास विभाग की सभी महत्वपूर्ण योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। आंगनबाड़ी केंद्र समय पर संचालित हों तथा बच्चों को निर्धारित अनुसार गर्म नाश्ता, भोजन, किशोरी बालिकाओं एवं गर्भवती-शिशुवती महिलाओं को समय पर पोषण आहार दिया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि गंभीर कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) के माध्यम से उन्हें सुपोषित बनाया जाए।आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों की सीखने की क्षमता को बढ़ाने हेतु निर्धारित शैक्षणिक गतिविधियाँ नियमित रूप से संचालित की जाएँ। उन्होंने सुपोषण चौपाल आयोजित कर योजनाओं की जानकारी देने, ग्राम पंचायतों में महिला सरपंचों एवं महिला जनप्रतिनिधियों को शामिल करने तथा छोटे बच्चों के वजन बढ़ाने, किशोरी बालिकाओं और गर्भवती-शिशुवती महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार हेतु पूरक आहार एवं स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थों के सेवन की जानकारी साझा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री दुदावत ने मध्यम एवं गंभीर कुपोषित बच्चों को कुपोषण चक्र से बाहर निकालने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों के घर-घर जाकर माताओं को जागरूक किया जाए और उन्हें अतिरिक्त पौष्टिक आहार समय पर वितरित किया जाए। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देशित किया कि योजना का क्रियान्वयन गंभीरता और प्राथमिकता से किया जाए। परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से एएनसी पंजीयन की जानकारी लेकर प्रकरण दर्ज कराएं और हितग्राहियों को समयबद्ध लाभ दिलाएं।

कलेक्टर ने महतारी वंदन योजना अंतर्गत होने वाले भुगतान की जानकारी प्रत्येक माह प्रेषित करने, भुगतान अटके होने पर कारण ज्ञात कर तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने और इसे दस दिनों के भीतर पूर्ण करने को कहा। आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु नियमित शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित करने और आवश्यकता होने पर परियोजना स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने टीएचआर वितरण सहित विभागीय योजनाओं की जानकारी निर्धारित पोर्टल पर समय पर अपलोड करने, लिंक में डाटा एंट्री सुनिश्चित करने तथा पोषण ट्रैकर में प्रतिदिन जानकारी दर्ज करने कहा।बैठक में कलेक्टर ने बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल देखरेख संस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि संस्थाओं में शासन द्वारा निर्धारित सभी मानकों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। साफ-सफाई, आवासीय सुविधाओं और भोजन वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। उन्होंने बच्चों के आधार, जाति प्रमाणपत्र एवं आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। साथ ही सुकन्या समृद्धि योजना के लाभ बताते हुए अधिक से अधिक बालिकाओं के खाते खुलवाने कहा।पालना केंद्र संचालन हेतु रिक्त पदों पर 15 दिनों के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यरत महिलाओं से बैठक लेकर उन्हें उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दें और केंद्र का नियमित संचालन करते हुए लाभार्थियों की संख्या बढ़ाई जाए।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश कुमार नाग, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री बसंत मिंज, परियोजना अधिकारी सीडीपीओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री दुदावत ने सभी परियोजना एवं सेक्टर अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे गंभीर कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर पोषण पुनर्वास केंद्र में अनिवार्य रूप से भेजें। पहले गंभीर कुपोषित और बाद में मध्यम कुपोषित बच्चों को एनआरसी भेजा जाए। उन्होंने कहा कि एनआरसी का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। कम वजन वाले बच्चों का वजन बढ़ाने तथा आंगनबाड़ी का समय पर संचालन करते हुए पोषण आहार का वितरण नियमित रूप से किया जाए।

कलेक्टर ने जिले में भवनविहीन एवं जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों की जानकारी 15 दिनों के भीतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि जल्द स्वीकृतियाँ प्रदान की जा सकें। उन्होंने जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों का परीक्षण करने, फोटो सहित विवरण भेजने के निर्देश दिए। कहा कि बारिश के बाद किसी भी केंद्र के जर्जर होने की शिकायत न आए, इसलिए अभी से तैयारी की जाए। लक्ष्य अधिकतम आंगनबाड़ी केंद्रों को बारिश पूर्व नए भवनों में शिफ्ट करने का है। उन्होंने सीडीपीओ को पूर्व में स्वीकृत केंद्रों के कार्य पूर्ण कराने हेतु ग्राम पंचायतों से निरंतर संपर्क में रहने कहा। आंगनबाड़ी में लगाई गई पानी टंकियों को पानी स्त्रोत से जोड़ने हेतु जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए।कलेक्टर ने जिले में बाल विवाह रोकथाम के लिए जन-जागरूकता बढ़ाने तथा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से पिछड़े क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कम उम्र में विवाह और गर्भधारण से महिलाओं में एनीमिया तथा बच्चों में कुपोषण सहित कई स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। अत: सभी पंचायतों में बाल विवाह मुक्त कोरबा-छत्तीसगढ़ अभियान में व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

गनियारी में हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझायी चंद घंटो में, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। करतला थाना क्षेत्र के ग्राम गनियारी में हुई नृशंस हत्या की गुत्थी सुलझाने में पुलिस के ट्रेंड डॉग 'बाघा' ने अहम भूमिका निभाई। सोमवार सुबह नंदकुमार पटेल की बेरहमी से हत्या के बाद जब पुलिस जांच में उलझी नजर आई, तब डॉग स्क्वाड के बाघा ने कुछ ही मिनटों में हत्यारे तक पुलिस को पहुंचा दिया।

घटनास्थल पर मृतक का जूता और लोवर पड़ा मिला था। बाघा को जैसे ही मृतक का जूता सूंघाया गया, वह उसे मुंह में दबाकर करीब 200 मीटर तक दौड़ता हुआ सीधे एक ग्रामीण के घर जा घुसा। यह घर आरोपी जयशंकर का बताया गया।

इस दौरान बाघा की सूझबूझ और ट्रेनिंग देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर उमड़ पड़े।डॉग बाघा की सटीक ट्रैकिंग से उस समय और पुष्टि हो गई, जब पुलिस हिरासत में मौजूद आरोपी जयशंकर को ग्रामीणों के सामने लाया गया। बाघा सीधे मुंह में जूता दबाए आरोपी के पास पहुंच गया, जिससे हत्या की गुत्थी पूरी तरह सुलझ गई।

पुलिस के अनुसार मृतक नंदकुमार पटेल और आरोपी जयशंकर पड़ोसी थे। रविवार रात नंदकुमार आरोपी के घर गया था, जहां उसकी पत्नी के साथ मस्ती-मजाक को लेकर विवाद हो गया। गुस्से में आकर जयशंकर ने डंडे से सिर और चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी।घटना की सूचना मिलते ही करतला पुलिस, डॉग स्क्वाड, फोरेंसिक टीम और साइबर सेल मौके पर पहुंची। डॉग बाघा की मदद से पुलिस ने महज कुछ घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जनदर्शन में डीएम ने सुनी आमजनों की समस्याएं, त्वरित राहत के दिए निर्देश

कोरबा । जिले के शहरी क्षेत्रों के साथ साथ दूरस्थ पहाड़ी, वनांचल क्षेत्रों से अपनी समस्याओं के समाधान की आस लेकर आए नागरिकों की परेशानियों को कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर शीघ्र एवं न्यायसंगत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में ग्रामीणजन धान विक्रय, रकबा संशोधन एवं त्रुटिपूर्ण गिरदावरी से संबंधित समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए खाद्य अधिकारी को धान उपार्जन मामलों की जांच कर वास्तविक हितग्राहियों को शीघ्र राहत देने तथा राजस्व अधिकारियों को गिरदावरी एवं रकबा प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों व ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नगर के सर्वमंगला मंदिर समीप स्थित स्नेह सदन में निवासरत वृद्ध श्री पदुम लाल दिकसेना द्वारा संस्थान में अव्यवस्था एवं दुर्व्यवहार संबंधी शिकायत प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सहायक कलेक्टर को संस्थान का निरीक्षण कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही उप संचालक, समाज कल्याण विभाग को सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करते हुए परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में गढ़ उपरोड़ा पंचायत के ग्राम कदमझेरिया के पीवीटीजी समुदाय के पहाड़ी कोरवा वर्ग के पहारू राम, बिफईया राम और अमृत लाल सहित अन्य ने आजीविका बढ़ाने के लिए बकरी पालन करने हेतु आवेदन किया। कलेक्टर ने इसे गंभीरता से लेते हुए पशुधन विभाग को प्रेषित कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने और पात्र लाभार्थियों को राहत सुनिश्चित करने निर्देशित किया। कटघोरा विकासखंड के ग्राम जवाली निवासी श्री लकेश्वर प्रसाद ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि दीपका-कटघोरा पहुंच मार्ग पर खोलार नाला के समीप उनकी खसरा नंबर 190/15 भूमि पर प्रशासन द्वारा पुल एवं सड़क का निर्माण किया गया है, लंबे समय बीत जाने के बावजूद उन्हें मुआवजा राशि प्रदान नहीं की गई है। कलेक्टर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम कटघोरा को मामले की पूर्ण जांच कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।पाली विकासखंड के ग्राम गोपालपुर निवासी श्री राजेन्द्र सिंह मरावी ने ग्राम अण्डीकछार स्थित अपनी नानी श्रीमती दुखनी बाई की हुए दिए।

समीक्षा बैठक में दुदावत के दिखे कड़े तेवर

कोरबा । लेक्टर श्री कुणाल दुदावत कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विभिन्न निर्माण विभागों की बैठक लेकर प्रगतिरत निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी निर्माणाधीन कार्यो को शीघ्रता से पूर्ण कराने हेतु सभी निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया।

साथ ही निर्माण कार्यो के गुणवत्ता पर किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग, सेतु, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित अन्य निर्माण विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग में प्रगतिरत निर्माण व मरम्मत कार्यो की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए तेजी से प्रगति लाने एवं निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए ।लोक निर्माण विभाग अंतर्गत निर्माण किये जा रहे अनेक सड़क, स्कूल भवन, कॉलेज भवन सहित अन्य प्रगतिरत कार्यो की समीक्षा करते हुए कार्य में गंभीरता से तेजी लाने एवं समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तार हेतु किए जा रहे निर्माण कार्य को प्राथमिकता से पूरा कराने के लिए कहा। कॉलेज व विद्यालय भवन के कार्य को अगले शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ होने से पहले पूर्ण कराने निर्देशित किया।

कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को अप्रारंभ एवं निविदा स्तर के कार्यो में भी शीघ्रता से कार्यवाही पूर्ण करते हुए कार्य प्रारंभ कराने की बात कही। साथ ही प्रगतिरत सभी कार्यो में मैन पावर बढ़ाकर कार्य मे तेजी लाने निर्देश दिये। उन्होंने जिले के दूरस्थ क्षेत्र लैंगा में स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य में गति लाने के लिए निर्माण स्थल के समीप वीटी प्लांट स्थापित करने निर्देशित किया।

श्री दुदावत ने बंजारी महाविद्यालय के लंबित कॉलेज भवन, छात्रावास के निर्माण कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने एवं मुख्य मार्ग से कॉलेज तक एप्रोच रोड व बाउंड्री वाल निर्माण हेतु डीएमएफ से प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। विभाग के अन्य निर्माण कार्यो में जमीन विवाद के मामले में एसडीएम से सम्पर्क कर समाधान कराने की बात कही।

कलेक्टर ने पीएमजीएसवाई व सेतु विभाग अंतर्गत सड़क व पुल-पुलिया निर्माण स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी मार्गो में तेजी से प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही मरम्मत कार्यो को भी शीघ्रता से पूर्ण कराने के लिए कहा।उन्होंने सभी निर्माण विभागों को प्रगतिरत सभी स्थानों में समान्तर कार्य प्रारंभ कराने, मशीनरी एवं श्रमिकों की संख्या बढ़ाने की बात कही।

साथ ही निर्माण कार्यो में लापरवाही बरतने व अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले एजेंसियों पर सख्ती से कार्यवाही करते हुए अनुबंध निरस्त करने एवं ब्लैक लिस्ट करने हेतु निर्देशित किया।

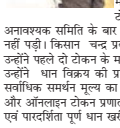

शासन की पारदर्शी और त्वरित धान खरीदी व्यवस्था का किसानों को मिल रहा पूरा लाभ

कोरबा । पाली विकासखंड के बम्हनी खुर्द गांव के किसान श्री चंद्रप्रकाश कंवर ने छत्तीसगढ़ शासन की पारदर्शी और त्वरित धान खरीदी व्यवस्था का पूरा लाभ उठाते हुए अपनी खेती से बेहतरीन अनुभव प्राप्त किया। किसान श्री कंवर के पास 13 एकड़ जमीन है, जिस पर उन्होंने इस वर्ष धान की खेती की। सहकारी समिति चैतमा में कुल 161 क्विंटल धान विक्रय किया। उन्होंने कहा कि तुहर टोकन एप के माध्यम से आनलाइन टोकन प्राप्त किया। जिससे उन्हें अनावश्यक समिति के बार बार चक्कर काटने एवं लंबी कतारों में समय गंवाने की जरूरत नहीं पड़ी। किसान चन्द्र प्रकाश ने इस खरीफ सीजन में तीन बार अपना धान विक्रय किया। उन्होंने पहले दो टोकन के माध्यम से 120 क्विंटल और तीसरी बार 41.60 क्विंटल धान बेचा। उन्होंने धान विक्रय की प्रक्रिया में कोई परेशानी नहीं हुई, और उन्हें सरकार द्वारा तय सर्वाधिक समर्थन मूल्य का लाभ मिला।श्री कंवर ने खरीदी प्रक्रिया की सुविधा, त्वरित सेवा और ऑनलाइन टोकन प्रणाली की खूब सराहना की। उन्होंने कहा की उपार्जन केंद्र में त्वरित एवं पारदर्शिता पूर्ण धान खरीदी होने से किसानों को सहूलियत मिल रही है।

सचिव के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

कोरबा । कोरबा जिले की ग्राम पंचायत सेमीपाली में पंचायत सचिव कविता साहू के खिलाफ भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप सामने आए हैं। सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से कलेक्टर को शिकायत पत्र सौंपते हुए सचिव को तत्काल हटाने और उनके पूरे कार्यकाल की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव कविता साहू पिछले 12 वर्षों से एक ही पंचायत में पदस्थ हैं और इसी का लाभ उठाकर मनमानी कार्यशैली अपनाई जा रही है। शिकायत में कहा गया है कि शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी जानबूझकर ग्रामीणों से छिपाई जाती है और विकास कार्यों के नाम पर राशि की निकासी कर ली जाती है, जबकि धरातल पर काम अधूरा या नाममात्र का होता है।निर्माण कार्यों में भारी गड़बड़ी का आरोप

शिकायत के अनुसार, विगत वर्ष श्मशान घाट निर्माण और वर्तमान वर्ष सीसी रोड निर्माण के लिए पंचायत खाते से राशि आहरित की गई, लेकिन मौके पर अपेक्षित निर्माण कार्य नहीं हुआ। वहीं तालाब गहरीकरण कार्य में नाले से मिट्टी निकालकर काम कराया गया, जिसका भुगतान मजदूरों को आज तक नहीं मिला। आरोप है कि मजदूरी की पूरी राशि निकाल ली गई और फर्जी नामों से भुगतान दर्शाया गया।

जल जीवन मिशन में भी अनियमितता

ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के तहत भी गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, योजना में कुल 11 बोर स्वीकृत थे, लेकिन गांव में केवल 7 बोर ही लगाए गए हैं। शेष बोरों को लेकर सरपंच और सचिव द्वारा दबाव बनाकर कमीशन लेने का आरोप लगाया गया है।

ग्राम पंचायत गिधौरी की शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालनकर्ता समिति निलंबित

राशन वितरण में अनियमितता एवं स्टॉक की भारी कमी पाए जाने पर जिला प्रशासन की कड़ी कार्रवाई

कोरबा । ग्राम पंचायत गिधौरी, विकासखंड करतला, जिला कोरबा स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान (आई.डी. क्रमांक 552002038), जिसका संचालन चन्द्राकर खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति मर्यादित गिधौरी द्वारा किया जा रहा था, के विरुद्ध गंभीर अनियमितताएँ पाए जाने पर जिला प्रशासन द्वारा कठोर कार्रवाई की गई है।

वार्षिक सत्यापन वर्ष 2025 के दौरान संचालक संस्था द्वारा पीडीएस संचालन कार्य में उल्लेखनीय अनियमितताएँ सामने आईं। स्टॉक परीक्षण में चावल के स्टॉक में 143.71 क्विंटल तथा नमक के स्टॉक में 13.47 क्विंटल की कमी परिलक्षित हुई, जो पीडीएस खाद्यान्न के व्यपवर्तन और अफरा-तफरी का स्पष्ट संकेत है।

संचालक संस्था का यह आचरण छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश, 2016 की विभिन्न कंडिकाओं तथा निष्पादित अनुबंध पत्र में उल्लिखित प्रमुख शर्तों का सीधा उल्लंघन है। इस मामले में पंजीबद्ध प्रकरण पर संचालकों को कारण बताओ नोटिस क्रमांक 2446 दिनांक 22 सितंबर 2025 तथा कारण बताओ नोटिस क्रमांक 2367 दिनांक 14 अक्टूबर 2025 जारी किए गए थे, किंतु अध्यक्ष, प्रबंधक तथा विक्रेता द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कोई समाधानकारक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया।

इसी अवधि में कलेक्टर जनदर्शन (टोकन क्रमांक 2050126000001 दिनांक 05 जनवरी 2026) में स्थानीय राशनकार्ड हितग्राहियों द्वारा उचित मूल्य दुकान संचालकों के विरुद्ध राशन वितरण में अनियमितता संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका परीक्षण करने पर आरोप सत्य पाए गए। उचित मूल्य दुकान संचालकों द्वारा किया गया यह कृत्य पीडीएस संचालन में स्वेच्छाचारिता और नियमों की अवहेलना को दर्शाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम पंचायत गिधौरी (आई.डी. क्रमांक 552002038) का संचालन कर रही चन्द्राकर खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति मर्यादित गिधौरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। हितग्राहियों को पीडीएस खाद्यान्न की निर्बाध उपलब्धता बनाए रखने के लिए अस्थायी वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में ग्राम पंचायत नोनबिर्रा की शासकीय उचित मूल्य दुकान (आई.डी. क्रमांक 552002034), जिसका संचालन गणेश खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति मर्यादित ग्राम पंचायत नोनबिर्रा द्वारा किया जाता है, में गिधौरी उचित मूल्य दुकान को प्रकरण के निराकरण तक संलग्न किया गया है।

चांपा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 23 किलो गांजा बरामद, 5 आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा । नव वर्ष की शुरुआत के साथ ही जांजगीर-चांपा पुलिस ने अवैध गांजा तस्करी के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। बीते 05 दिनों के भीतर पुलिस ने 03 अलग-अलग मामलों में कुल 23 किलो गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 10 लाख 73 हजार रुपये बताई जा रही है। इन मामलों में एक पुलिस आरक्षक सहित कुल 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में जिलेभर में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री व परिवहन पर रोक लगाने लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में स्ठ्ठक्क चांपा यदुमणि सिदार के नेतृत्व में थाना शिवरीनारायण पुलिस ने 05 जनवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर रेड कार्रवाई की।

रेड के दौरान चंद्रशेखर साहू, निवासी सलखंड, थाना बसना, जिला महासमुंद (पदस्थ पुलिस आरक्षक) को एक विधि से संघर्षरत बालक के साथ गांजा परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 15 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद किया गया। मुख्य आरोपी आरक्षक को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है, जबकि बालक को किशोर न्यायालय में पेश किया गया।

इससे पूर्व, नववर्ष के पहले दिन शिवरीनारायण पुल चौक मेन रोड के पास से आरोपी संजय कश्यप और रघुनंदन रोहिदास के कब्जे से 2 किलो 20 ग्राम गांजा बरामद किया गया था। वहीं, 02 जनवरी 2026 को सायबर टीम जांजगीर ने बम्हनीडीह क्षेत्र से आरोपी राकेश बंजारे, निवासी कपिस्दा को 5 किलो 400 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया था। सभी आरोपियों के विरुद्ध NDPS एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

जांजगीर। कौशल्या निवास पर वीर बजरंगी हनुमत की कृपा बनाए रखने के लिए सबके अंदर ओज तेज शक्ति प्रदान करने वाला सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया ।जिसमें श्री हरि महिला मानस मंडली जांजगीर को आमंत्रित किया गया था। जिसमें श्री हरि महिला मंडली के अध्यक्ष श्रीमति चमेली साहू की टीम ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ व हनुमत भजन कर कार्यक्रम स्थल को भक्ति मय वातावरण से ओतप्रोत कर दिया ।समिति के अध्यक्ष चमेली साहू ने हारमोनियम पर भजन की अनोखी श्रृंखला पेश करते हुए सभी को भजन में झूमने के लिए मजबूर कर दी ।सुंदरकांड पाठ कर सुख समृद्धि की कामना वीर बजरंगी की कृपा सब पर बनी रहे इस भाव के साथ पाठ किया गया ।इस दौरान श्रीमति शशि साहू,श्रीमति सरोजनी साहू,श्रीमति कौशल्या साहू,श्रीमति कमला राठौर,श्रीमति नंदनी श्रीवास्तव,श्रीमति उषा झा,श्रीमति सिद्धि तिवारी,श्रीमति महेश्वरी साहू,श्रीमति गायत्री साहू,श्रीमति रामकुमारी साहू,श्रीमति लक्ष्मीन साहू,श्रीमति अंजली साहू,श्रीमति सपना साहू,श्रीमति अंबिका साहू,अर्चना साहू,शुभी साहू,सहित अधिसंख्य विशेष रूप से सुंदरकांड पाठ कार्यक्रम में शामिल रहे। आयोजन कर्ता द्वारा मानस मंडली के अध्यक्ष श्रीमति चमेली साहू सहित उनके टीम को सम्मानित किया गया।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक/निर्माण/2025-26/7936 कोरबा, दिनांक 01.01.26

//ई-निविदा आमंत्रण सूचना//

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी अनुसूची दर पुस्तिका छ.ग. शासन रायपुर दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील दर पर ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसकी अंतिम तिथि 28.01.2026 है।

क्र.	संस्था/कार्य का नाम	वि.खं.	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि
1	2	3	4	5
1	प्राथमिक स्तर आदिवासी कन्या आश्रम तिलकेजा में Class Room निर्माण	कोरबा	19.40	14550/-
2	माध्यमिक स्तर आदिवासी बालक आश्रम गढ़उपरोड़ा में Class Room निर्माण	कोरबा	19.40	14550/-
3	माध्यमिक स्तर आदिवासी कन्या आश्रम भैंसमा में Class Room निर्माण	कोरबा	19.40	14550/-
4	माध्यमिक स्तर आदिवासी कन्या आश्रम कुदमुरा में Class Room निर्माण	कोरबा	19.40	14550/-
5	प्री मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास तिलकेजा में Class Room निर्माण	कोरबा	19.40	14550/-
6	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास कोरकोमा में Class Room निर्माण	कोरबा	19.40	14550/-
7	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास अजगरबहार में Class Room निर्माण	कोरबा	19.40	14550/-
8	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास सतरेंगा में Class Room निर्माण	कोरबा	19.40	14550/-
9	पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास भैंसमा में Class Room निर्माण	कोरबा	19.40	14550/-
10	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास नोनदरहा में Class Room निर्माण	करतला	19.40	14550/-
11	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास जर्वे में Class Room निर्माण	करतला	19.40	14550/-
12	पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास करतलाा में Class Room निर्माण	करतला	19.40	14550/-
13	प्राथमिक स्तर आदिवासी बालक आश्रम मुरली में Class Room निर्माण	पाली	19.40	14550/-
14	प्राथमिक स्तर आदिवासी बालक आश्रम जेमरा में Class Room निर्माण	पाली	19.40	14550/-
15	माध्यमिक स्तर आदिवासी बालक आश्रम चोढ़ा में Class Room निर्माण	पाली	19.40	14550/-
16	प्राथमिक स्तर आदिवासी बालक आश्रम सिल्ली में Class Room निर्माण	पाली	19.40	14550/-
17	प्री मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास तिवरता में Class Room निर्माण	पाली	19.40	14550/-
18	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास तिवरता में Class Room निर्माण	पाली	19.40	14550/-
19	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास नोनबिर्रा में Class Room निर्माण	पाली	19.40	14550/-
20	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास सिल्ली में Class Room निर्माण	पाली	19.40	14550/-
21	माध्यमिक स्तर आदिवासी कन्या आश्रम मड़ई में Class Room निर्माण	पोड़ी उपरोड़ा	19.40	14550/-
22	प्राथमिक स्तर आदिवासी कन्या आश्रम पाली में Class Room निर्माण	पोड़ी उपरोड़ा	19.40	14550/-
23	प्राथमिक स्तर आदिवासी कन्या आश्रम तुमान में Class Room निर्माण	पोड़ी उपरोड़ा	19.40	14550/-
24	प्राथमिक स्तर आदिवासी नवीन बालक आश्रम अरसिया में Class Room निर्माण	पोड़ी उपरोड़ा	19.40	14550/-
25	प्राथमिक स्तर आदिवासी बालक आश्रम सरभोंका में Class Room निर्माण	पोड़ी उपरोड़ा	19.40	14550/-
26	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास जटगा में Class Room निर्माण	पोड़ी उपरोड़ा	19.40	14550/-
27	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास पिपरिया में Class Room निर्माण	पोड़ी उपरोड़ा	19.40	14550/-
28	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास जल्के में Class Room निर्माण	पोड़ी उपरोड़ा	19.40	14550/-
29	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास लैंगा में Class Room निर्माण	पोड़ी उपरोड़ा	19.40	14550/-
30	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास लैंगी में Class Room निर्माण	पोड़ी उपरोड़ा	19.40	14550/-
		योग :-	582.00	

नोट :-
1. कार्य पूर्ण करने की अवधि प्रति संस्था 04 माह।
2. प्रति कार्यों में ठेकेदार का श्रेणी ''डी'' क्लास या उससे उपर।
टीप :- संस्थाओं की सूची, निविदा की शर्ते व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास कोरबा

जी-252605808/4

जर्वे रसौटा नहर मार्ग का डामरीकरण किया जाना अति आवश्यक

बलौदा आवागमन के लिए होगी नागरिकों को सुविधा

सीतारामनायक

जांजगीर चांपा। जांजगीर से बलौदा जाना किसी चुनौती से कम नहीं है इस मार्ग पर चलने से लोगों को जान माल का खतरा हमेशा बना रहता है जिसके कारण लोग एक अलग राह की तलाश में हमेशा रहते हैं ताकि इस यात्रा से उनकी जान बच सके। इसके लिए बलौदा जाने वाली मार्ग जर्वे रसौटा से नहर पार को अगर डामरीकरण कर दिया जाता है तो यह लोगों के लिए सुरक्षा भरा मार्ग सिद्ध हो सकता है, क्योंकि जर्वे से बलौदा भारी वाहनों का आवागमन अत्यधिक है।

वही सड़क गढ़ों में तब्दील हो गया है जिससे लोगों को जान का तो खतरा बना रहता है साथ ही साथ पूरे राह में धूल से यात्री पूरी तरह से खराब, परेशान हो जाते हैं। इसलिए कुछ दूरी ही सही अगर जर्वे से रसौटा तक नहर पार को अगर डामरीकरण कर दिया जाता है तो बलौदा से रसौटा हुए सीधे आवागमन किया जा सकता है। जिससे लोगों को भारी वाहनों से आधी दूरी तक ही सही राहत

मिल जाएगी।

इस संबंध में अवगत होगी जांजगीर नैला से बलौदा की दूरी लगभग 16,17 किलोमीटर की है इस राह में कोल वाशरियों के भारी वाहनों का आवागमन पूरे समय होता है जिसके कारण इस राह में लाखों की संख्या में गड्ढे हो गए हैं और पूरी तरह से मार्ग खराब हो गया है। भारी वाहनों के आवागमन से पूरे राह में धूल उड़ते रहता है जिससे लोगों का वस्त्र खराब तो होता ही है।

साथ ही साथ धूल के अंधकार से लोग दुर्घटना से चोटिल हो जाते हैं जिससे आए दिन कुछ ना कुछ लोग चोटिल होते रहते हैं। वैसे तो यह मार्ग जिले भर में सबसे खतरनाक है जहां सबसे अधिक जाने इसी राह पर लोगों की जाती है जिससे बचने के लिए लोग नए रास्ते की तलाश में या तो हरदी होते हुए भैंसतरा के मार्ग को चुनकर बलौदा जाते हैं या फिर जर्वे से रसौटा होते हुए बड़ौदा पहुंचते हैं अगर इसी राह में रसौटा से जर्वे के नहर पार को डामरीकरण कर दिया जाता है तो इस 5 किलोमीटर की दूरी से लोगों को बहुत बड़ी राहत मिल सकती है। क्योंकि बलौदा से रसौटा का मार्ग पूरी तरह से ठीक है जहां रसौटा पहुंचते ही लोग नहर पार के माध्यम से सीधे जर्वे पहुंच कर जांजगीर नैला शहर के लिए आ जा सकते हैं। जिला प्रशासन को इसके लिए पहल करने की जरूरत है इतना ही नहीं बल्कि सिंचाई विभाग के अफसर छोटे-छोटे मार्ग को डामरीकरण कर अपनी उपलब्धि गिना रहे हैं वे अगर जर्वे रासौटा नहर पर को डामरीकरण कर करवा देते हैं तो इससे लोगों को राहत मिल जाएगी और लोगों की जान दुर्घटना से बच जाएगी जिसके लिए जनप्रतिनिधियों को भी पहल करने की आवश्यकता है।

यह क्षेत्र पूरी तरह से अकलतरा विधानसभा का है जहां के किसान अधिकतर जिला मुख्यालय के लिए आते-जाते रहते हैं वर्तमान में कांग्रेस का विधायक है उन्हें सरकार से पत्राचार करने की आवश्यकता है वही आगामी विधानसभा में भाजपा के प्रत्याशी को इस कार्य को कराने से अच्छा लाभ मिल सकता है। इसलिए पूर्व विधायक सौरभ सिंह को भी इस मार्ग के निर्माण में बढ़-चढ़कर आगे आना चाहिए ताकि लोगों की जान बचाई जा सके।

प्रदेश स्तरीय सतनामी युवक युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

युवक युवती ने कराया पंजीयन मौके पर ही रिश्ते की प्रारंभिक चर्चा भी हुई

जांजगीर चांपा। सतनामी उत्थान एवं जागृति समिति व सतनामी समाज जांजगीर चांपा के तत्वाधान में समाज के विवाह योग्य युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 4 जनवरी दिन रविवार समय सुबह 12ः00 बजे से परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की तैल चित्र पर पूजा आरती कर प्रारंभ किया।

समाज के विवाह योग्य युवक युवती अपने परिजन के साथ सम्मेलन स्थल में पहुंचकर पंजीयन के पश्चात अपना परिचय दिया। सम्मेलन में प्रतिभागी के रूप में विवाह योग्य युवक युवती विधवा विदुर व तलाकशुदा प्रतिभागी भी पंजीयन कराया। विवाह योग्य युवक युवती, प्रतिभागी, परिजन एवं समाज की बुद्धिजीवी अधिकारी कर्मचारी जनप्रतिनिधी समाज के लोग भाग लिया। समाज में वर वधु तलासने में हो रही परेशानी समस्या को एक मंच पर लाकर समय व खर्च की बचत करते हुए मनचाहा भावी जीवन

साथी चुनने तलाश में मदद होती है । समिति के पदाधिकारी लोग प्रतिभागी वर वधु व उनके परिजन के बीच प्रारंभिक काउंसलिंक चर्चा में सहयोग किया। मौके पर ही अनेक रिश्तो की प्रारंभिक चर्चा भी हुई । कार्यक्रम का 15 वर्ष है। कार्यक्रम में पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले पूर्व विधायक श्रीमती इंदु बंजारे छत्तीसगढ़ सतनामी उत्थान एवं जागृति समिति के प्रदेश अध्यक्ष जय बहादुर बंजारे प्रदेश संरक्षक सरजू प्रसाद धृतलहरे और क्षेत्रीय विधायक व्यास कश्यप सुनीता पटले जी आदि का परिचय सम्मेलन में आयोजन समिति प्रतिभागी व परिजन समस्त उपस्थित समाज के बुद्धजीवी अधिकारी कर्मचारी व समाज को मार्गदर्शन मिला। सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। प्रदेश सह सचिव रमेश बंजारे प्रदेश उपाध्यक्ष सुश्री अंजलि बरमाल अध्यक्ष सुखराम मधुकर मीडिया प्रभारी डॉ ललित कुर्रे उपाध्यक्ष अनिल अजगले डॉ दिलीप बर्मन डॉ धनेश्वरी जागृति संजीव खरे संरक्षक अधि महारथी बघेल डॉ विजय लहरे राजेश्वर पाटले डॉ जगदीश बंजारे मुकेश रात्रे चंद्रकांत रात्रे गेंद राम कुर्रे डॉ चंद्रशेखर खरे अधि लक्ष्मी लहरे विजय मनहर चंद्रकुमार मिरी दिनेश मिरी अर्जुन सरकार मोहर सिंह अधिवक्ता एस के बघेल संत सोनंत संतोष अनंत योगेश बनर्जी खुलन सोनवानी सुरेश मिर्चन्य अहिल डहरिया संजीव बंजारे जय श्री रात्रे प्रतिमा पाटले किशन बघेल नंदलाल कुर्रे संजय लहरे जितेंद्र पाटले महेश्वर टंडन राधेश्याम पाटले आदि भारी संख्या में समाज के बुद्धिजीवी प्रतिभागी व उनके परिजन उपस्थित रहा। उक्त बातों की जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ ललित कुर्रे ने दी।

शराब के लिए पैसे मांगे, इनकार किया तो जमकर पीटा, दो आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। कोतवाली पुलिस ने शराब के लिए पैसे मांगने और मारपीट करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से हथियार भी जब्त किए हैं। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान किशन चौरसिया (25 वर्ष) और करण कुमार चौरसिया (22 वर्ष) के रूप में हुई है। ये दोनों मुनुन्द, जांजगीर के निवासी हैं।

मुनुन्द जांजगीर निवासी पीड़ित हरीश गड़ेवाल ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 4 जनवरी को शाम लगभग 6 बजे जब वे नैला से अपने गांव जा रहे थे, तब आरोपियों ने उनकी मोटरसाइकिल रोक ली।

आरोपियों ने उनसे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पैसे देने से इनकार करने पर, आरोपियों ने अपने पास रखी हॉकी स्टिक (बेसबॉल स्टिक) और लकड़ी के डंडे से हरीश के साथ मारपीट की।

रिपोर्ट मिलने के बाद, कोतवाली थाने में तत्काल अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी के लिए एक पुलिस टीम गठित कर रवाना की गई ।पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों से दोनों आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने शराब के लिए पैसे मांगने और मना करने पर पीड़ित के साथ मारपीट करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने उनके कब्जे से दो बेसबॉल/हॉकी स्टिक और एक लकड़ी का डंडा जब्त किया है।

पत्रकार साथी स्वस्थ्य रहे, मस्त रहे, व्यस्त रहे , ब्यास कश्यप

डा. गौरीशंकर कश्यप की स्मृति में पत्रकार एवम परिजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

जांजगीर चांपा। डॉक्टर लोकेंद्र कश्यप अपने ज्ञान का उपयोग समाज की भलाई के लिए करते रहे हैं, पत्रकारगण भी इसी समाज का अभिन्न अंग है जो की समाज की भलाई के लिए हमेशा कार्यरत रहते हैं इसलिए आज का यह स्वास्थ्य शिविर पत्रकारगण एवं उनके परिजनों के लिए आज था। सभी पत्रकार साथी स्वस्थ रहें मस्त रहें व्यस्त रहें, उपरोक्त उदगार आज संजीवनी हार्ट केयर एंड मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल जांजगीर में डॉ. गौरीशंकर कश्यप की स्मृति में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने कहा।

रविवार सुबह 9 बजे सबसे पहले स्वास्थ्य शिविर में वरिष्ठ पत्रकार,सीताराम नायक,देव कुमार पाण्डेय स्वास्थ्य चेकअप के लिए पहुंचे, फिर पुरषोत्तम राठौर, राजेश सिंह क्षत्री, शशि भूषण सोनी, शैलेश शर्मा, संजय यादव, निलेश तिवारी, गोपाल शर्मा, योगेश शर्मा, उमेश कुमार कश्यप, लखेश्वर यादव, मनीष चंद्रा, मनोज थवाईत, मुरली नायर, हर्षित तिवारी, हरीश राठौर सहित बड़ी संख्या में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, वेब मीडिया के पत्रकारों ने सपरिवार पहुंचकर इस शिविर का लाभ उठाया। शिविर में पहुंचे पत्रकारों का कहना था कि जिला मुख्यालय में पहली बार

पत्रकारों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य की चिंता किसी ने करते हुए इस तरह का आयोजन किया है, जिसे हर साल होना चाहिए। जिस पर जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने कहा कि समाजसेवी, वेद विषारद डॉ. गौरीशंकर कश्यप की स्मृति में आज का यह आयोजन किया गया है, पत्रकार साथी चाहेंगे तो एक वर्ष क्यों, हर 6 माह में उनके लिए यह आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पार्षद अरमान खान, राधे थवाईत, कृष्णा, पंकज यादव, आर्यन सिंह, परमेश्वर यादव सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी एवम आमजन उपस्थित रहे।

संजीवनी हार्ट केयर एंड मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल जांजगीर के संचालक डॉ लोकेन्द्र कश्यप ने बताया की आज के इस मेगा हेल्थ कैंप में आने वाले लोगों को ब्लड प्रेशर, ईसी जी, 2D एको,ब्लड सुगर यूरिन टेस्ट, HBAvC, O&ygen saturation/BMI,CBC/serum creatinine/Cholesterol/ टी.एम.टी. (ट्रेड मिल टेस्ट), डेन्टल चेक अप सहित विभिन्न प्रकार की जांच की गई। आज के इस मेगा हेल्थ चेकअप कैंप में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. लोकेंद्र कश्यप मेडिसिन विशेषज्ञ, वसुंधरा कश्यप (सीनियर डेंटल सर्जन), डॉ. निकिता सिंह (जनरल फिजिशियन), जानू चश्मा घर के स्टाफ सहित संजीवनी हार्ट केयर एंड मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल जांजगीर के स्टाफ उपस्थित रहे।

25 लोगो ने कराया आई चेकअप, 30 ने ईसीजी तो 65 का हुआ अन्य जांच आज के इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 25 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई वही 30 से ज्यादा लोगों का ईसीजी किया गया, वही 65 लोगो का ब्लड प्रेशर, शुगर, सहित अन्य प्रकार की जांच की गई। स्वास्थ्य शिविर को लेकर पत्रकारों एवम उनके परिजनों में काफी उत्साह देखा गया।

विधायक के प्रयास से राखड़ डेम तक बनेगी पक्की सड़क

जांजगीर-चांपा। विधायक ब्यास कश्यप ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र के सी.एस.आर. मद से उक्त सड़क निर्माण के लिए सीएसईबी के चेयरमेन श्री रोहित यादव जी को समक्ष भेंट कर ज्ञापन सौंपा गया था। अधिकारी के द्वारा तुरंत संज्ञान लेते हुए इसकी स्वीकृति की सहमति दी गई थी। ग्राम तेंदूभाठा से सरखों होते हुए पाली राखड़ डेम तक 05 किमी. लंबी एवं 3.75 कि.मी. चैड़ी इस सड़क के निर्माण के लिए 2 करोड़ 73 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा होगी। आपको बता दें कि यह लंबे समय से स्थानीय ग्रामीणों की मांग रही है। खराब और जर्जर मार्ग होने के कारण आएदिन दुर्घटना की आशंका रहती थी जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब विधायक ब्यास कश्यप के प्रयास से मार्ग सुगम होगा और स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। आवागमन के साथ ही साथ इससे ग्रामीण विकास को भी गति मिलेगा। । बहुप्रतिक्षित सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने से क्षेत्रवासियों में हर्ष है तथा उन्होंने लोकप्रिय विधायक ब्यास कश्यप के प्रति आभार प्रकट किया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, कोरबा

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक -28

(प्रथम बार)

क्रमांक/13/टेण्डर/ग्रायांसेवा/2026 कोरबा,दिनांक 02.01.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत प्रपत्र- 'ए' में दर्शित सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों के लिए निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन (online) निविदा दिनांक 16.01.2026 समय 17.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रू. में)
1	2	3	4
182967	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला हेतु आवासीय भवन निर्माण कार्य वि.खं.करतला	46.11	34583.00
182968	सामुदायि स्वास्थ्य केन्द्र पाली हेतु आवासीय भवन निर्माण कार्य वि.खं. पाली	46.11	34583.00
182969	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पोड़ी उपरोड़ा हेतु आवासीय भवन निर्माण कार्य वि.खं. पोड़ी उपरोड़ा	46.11	34583.00
182971	मड़वारानी मंदिर में आर्चशेड निर्माण कार्य ग्राम पंचायत पुरेना, वि.खं. करतला	23.71	17783.00
182972	ट्रेनिंग हॉल निर्माण कार्य करतला, वि.खं. करतला	42.46	31845.00

2. उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 02.01.2026 समय 15.00 बजे से डाउनलोड की जा सकती है।

(ए.के.जोगी)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोरबा
जिला- कोरबा (छ.ग.)

जी-252605811/4

सड़क हादसे में पार्षद पति की मौत के मामले में आरोपी कार चालक गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के केरा रोड पर एक तेज रफ्तार कार ने पैदल चल रहे पार्षद पति नारायण सोनवान को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। कार ने एक ऑटो को भी टक्कर मारी। पुलिस ने नशे में धुत कार चालक अमन गोयल को गिरफ्तार कर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है।

थाना प्रभारी जय प्रकाश गुप्ता से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना 4 जनवरी की रात करीब 8 बजे भाटापारा केरा रोड स्थित कब्रिस्तान के सामने हुई। ब्रेजा कार क्रमांक ष्ट्न-29-स्न्न-3765 का चालक तेज रफ्तार और शराब के नशे में वाहन चला रहा था।

चालक ने पहले सड़क पर पैदल चल रहे नारायण सोनवान को टक्कर मारी। इसके बाद, कुछ दूरी पर उसी दिशा में जा रहे एक ऑटो को भी जोरदार ठोकर मार दी।

अस्पताल में इलाज के दौरान पार्षद पति की मौत

हादसे में गंभीर रूप से घायल नारायण सोनवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। ऑटो चालक को भी चोटें आईं, जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके से आरोपी

मृतक पार्षद पति

कार चालक अमन गोयल को पकड़ लिया। डॉक्टरी मुलाहिजा में वह अत्यधिक शराब के नशे में पाया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली में गैर इरादतन हत्या (धारा 304ए) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल कार जब्त

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल कार, कार में रखी शराब की बोतलें और अन्य सामग्री जब्त की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने शराब के नशे में जानबूझकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

बिजली-बिल बकायेदारों का कटेगा कनेक्शन

रायगढ़। जिले में एक बार फिर बिजली विभाग की कार्रवाई देखने तो मिलेगी। इस बार उन उपभोक्ताओं का बिजली लाइन काट दी जाएगी, जिसका 10 हजार से अधिक का बिल का भुगतान नहीं हुआ है। इसके लिए बाहर से आई टीम मंगलवार को कार्रवाई करेगी। शहर में कई ऐसे उपभोक्ता हैं, जो नियमित रूप से बिजली का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन बिजली बिल जमा नहीं कर रहे। ऐसे उपभोक्ताओं पर कार्रवाई के लिए विभाग तैयार है। 10 हजार रुपए से अधिक के बकायादार विद्युत उपभोक्ताओं की जांच कर बिजली लाइन काट दी जाएगी। इस कार्रवाई के लिए बकायदा दूसरे जिले से लगभग 12 टीम आएगी और इसमें जेई, 2 लाईन मेन के साथ अन्य कर्मचारी शामिल होंगे।

e-Paper
www.tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा, मंगलवार, 06 जनवरी 2026

तरुण छत्तीसगढ़

04 सम्पादकीय

अनमोल वचन......

आप जो हैं उसके लिए नफरत किया जाना बेहतर है, बजाय इसके कि आप जो नहीं हैं उसके लिए प्यार किया जाए।

प्रतिभा नहीं काफी पर्याप्त

यह प्रश्न हमेशा मौजूद रहा है कि भारत पदक तालिका में अपनी मौजूदा दयनीय स्थिति से कैसे उबरे। बिंद्रा समिति इसका मूलमंत्र बताया है कि खेल प्रशासन को पेशेवर बनाना, जिसमें जवाबदेही तय करने की करने की ठोस व्यवस्था हो। सिर्फ प्रतिभा की बदौलत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल में सफलता कभी- कभार ही मिल सकती है। निरंतरता लानी हो, तो उसका राज़ पेशेवर नजरिया है। ओलिंपिक या अन्य खेल आयोजनों में पदक जीतने के ऐसे नजरिए से संचालित सिस्टम अपरिहार्य है। यह सार-संक्षेप है कि 170 पेज की रिपोर्ट का, जिसे ओलिंपिक खेलों में भारत के पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा के नेतृत्व वाली कमेटी ने तैयार किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में भारत का प्रदर्शन कैसे बेहतर हो, इस पर सुझाव देने के लिए यह समिति केंद्रीय खेल मंत्रालय ने बनाई थी। भारत ने 2036 के ओलिंपिक खेलों की मेजबानी का दावा पेश किया हुआ है। संभवतः उसके मद्देनजर सरकार ने विशेष तैयारी की जरूरत महसूस की है। बहरहाल, आयोजन भारत में हो या नहीं, यह कठिन प्रश्न तो हमेशा ही मौजूद रहा है कि भारत पदक तालिका में अपनी मौजूदा दयनीय स्थिति से कैसे उबरे। बिंद्रा समिति इसका मूलमंत्र बताया है कि खेल प्रशासन को पेशेवर बनाना, जो देश की वास्तविक खेल क्षमता के बारे में स्पष्ट राष्ट्रीय खाका बना सके और खिलाड़ियों की प्रगति का आकलन कर सके। साथ ही जिसमें जवाबदेही तय करने की करने की कारगर व्यवस्था हो। प्रतिभाओं को तराशने के लिए समिति ने नेशनल काउंसिल फॉर स्पोर्ट्स एजुकेशन एंड कैपेसिटी बिल्डिंग नाम की संस्था बनाने का सुझाव दिया है। साथ ही खेल प्रशासन से जुड़ी मौजूदा संस्थाओं को पेशेवर बनाने की सिफारिश की है। सार यह है कि समिति ने देश में खेल ढांचा निर्मित करने की वकालत की है। यह नजरिया उससे बिल्कुल अलग है, जिसके तहत 2016 में नीति आयोग ने टॉप्स योजना (टारगेट ओलिंपिक्स पॉडियम स्कीम) बनाई थी। सोच यह थी कि व्यक्तिगत प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें ओलिंपिक पदक के लिए तैयार किया जाए। इसके तहत 2024 तक 50 पदक जीतने का लक्ष्य रखा गया, लेकिन असल में छह पदक मिले, जिनमें स्वर्ण पदक एक भी नहीं था। तो अब बिंद्रा समिति ने नजरिया बदलने का सुझाव दिया है। क्या इस पर अमल होगा। कहना कठिन है, क्योंकि पेशेवर नजरिया और जवाबदेही जैसे शब्द फिलहाल हमारे शब्दकोश में नहीं हैं।

राशिफल

मेष राशि- आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। परिवार विशेषकर बच्चों से अच्छी खबर मिल सकती है। पढ़ाई और क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। बेरोजगार लोगों के लिए आज अवसर बनते दिखाई देंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं।

वृषभ राशि- आज का दिन करियर ग्रोथ के लिहाज से शानदार रहने वाला है। सरकारी या बड़ी संस्थाओं में काम करने वालों के प्रमोशन के योग बन रहे हैं। बिजनेस से जुड़े लोगों को विदेश या दूरस्थ स्थान से लाभ हो सकता है। घर का माहौल भी आज खुशी से भरा रहेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन सामान्य रहेगा लेकिन पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा। करियर को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी पर सही सलाह और धैर्य आपको बेहतर परिणाम देगा। सरकारी परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए दिन शुभ है।

कर्क राशि- आज परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। माता-पिता के साथ कहीं घूमने जाने का कार्यक्रम बन सकता है। घरेलू वातावरण खुशनुमा रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति भी सहायक बनी रहेगी।

सिंह राशि- आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। कारोबारी लोगों के लिए दिन लाभदायक है। नौकरी और प्रोफेशन में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कला और क्रिएटिव क्षेत्र वालों के लिए भी अच्छे ऑफर आने के संकेत हैं।

कन्या राशि- आज बिजनेस में कोई बड़ी डील मिलने की संभावना है, जिससे लाभ के अवसर बनेंगे। परिवार में तालमेल बेहतर रहेगा और कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। शाम का समय परिवार और बच्चों के साथ अच्छा बीतेगा।

तुला राशि- आज आप नए काम और विचारों की ओर आकर्षित होंगे। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करेंगे तो आने वाले समय में आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। ऑफिस में अतिरिक्त काम करने से आपके अधूरे काम पूरे हो जाएंगे।

वृश्चिक राशि- आज का दिन दोस्तों और करीबी लोगों के साथ अच्छा बीतेगा। यदि किसी नए काम की शुरुआत कर रहे हैं तो बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना लाभदायक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खानपान में सावधानी बरतें।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। काम आपकी इच्छा के अनुसार पूरे होंगे। ऑफिस में आपके काम और आइडियाज की सराहना होगी। सम्मान और मान प्रतिष्ठा बढ़ने के योग हैं और बॉस भी आपका सहयोग करेंगे।

मकर राशि- आज का दिन कामकाज में अच्छी प्रगति देने वाला रहेगा। आमदनी बढ़ने के संकेत हैं। यदि कोई महत्वपूर्ण काम आज पूरा करना चाहते हैं तो योजना बनाकर चलने से सफलता मिलेगी और काम समय से पहले पूरे हो सकते हैं।

कुंभ राशि- आज लंबे समय से अटके हुए कामों में सफलता मिलने की उम्मीद है। ऑफिस में जल्दबाजी से बचें और सोच-समझकर निर्णय लें। स्टूडेंट्स के लिए दिन सकारात्मक रहेगा और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी।

मीन राशि- आज का दिन शानदार रहेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी। धार्मिक कार्यों में मन लगा रहेगा।

असल 'धुरंधर' अमेरिका

//हरिशंकर व्यास//

यह तारीफ़ नहीं है। वह सत्यमेव जयते है, जिसका आधार बुद्धि ज्ञान और सैन्य शक्ति, दोनों के एवरेस्ट की वाह है। अमेरिका ने सन् 2025-26 में दिमाग से कृत्रिम बुद्धि को स्थापित कर जहां मानवता को चमत्कृत किया, वहीं तीन जनवरी 2026 की रात में उसके सैन्य बल ने वेनेज़ुएला देश के राष्ट्रपति को उठा कर विश्व को चौंकाया। व्यर्थ है इसके लिए डोनाल्ड ट्रंप को 'धुरंधर' बताना। असल सत्य ढाई सौ साल पुराने अमेरिका के उस संविधान, उस व्यवस्था का है, जिसमें असंभव को संभव बनाने का डीएनए व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सांचे की धुन में निहित है। यह व्यवस्था की वह बुनावट है, जिसमें हर व्यक्ति असंभव को संभव बनाने के अवसर को खोजता है, लपकता है और उसमें अपने को खपाता है।

भारत में हम लोग व्यक्तियों, चेहरों यानी राष्ट्रपतियों, नेताओं को ताकते हैं, जबकि धुरंधरी व्यवस्था से बनती है। सिस्टम से उत्प्रेरित व्यक्तिगत मानसिकता, वृत्ति और आचरण से ही फिर अर्थ (पूंजीवाद, नवाचार, तकनीक, वित्तीय धुरी), काम (इच्छा, व्यक्तिगत भोग, उपभोक्तावाद, प्रतिस्पर्धा, जुनून, विलासिता) तथा धर्म की सार्वभौमिक, सेक्युलर समझ पैठती है। निश्चित ही खांटी अमेरिकी लोग परलोक, जन्म जन्मांतर या मोक्ष मुक्ति की धारणाओं में नहीं जीते हैं। वे वर्तमान के सत्य में जीते हैं। वहां के नागरिक अंधविश्वासों, टोने टोटकों, भक्ति और झूठ से लगभग मुक्त हैं। वे अतीत में नहीं, आधुनिकता में आगे बढ़ते जाने के लिए सतत हाथ पांव मारते हैं।

इसलिए डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका में भी वही है, जो जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बराक ओबामा या राष्ट्रपति आइज़नहावर और उनके विदेश मंत्री जॉन फोस्टर डलेस के डोनरो डॉक्ट्रिन के शक्ति सूत्र में था। वेनेज़ुएला के ताज़ा प्रकरण में मुझे राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की कद काठी, भाव भंगिमा, बड़बोलेपन से बार बार सद्दाम हुसैन, कर्नल गद्दाफ़ी, ओसामा बिन लादेन, इस्लामिक स्टेट के बग़दादी आदि वे चेहरे याद होते हैं, जो कथित शक्ति, क्रूरता, बर्बरता के सूरमा भोपाली थे (इतिहास में एक नाम हिटलर भी है)। ये सब किसके शिकार हुए।

अमेरिकी सैन्य ऑपरेशनों के। सही है कि इस काम में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपतियों की संख्या अधिक है, मगर डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपतियों ने भी संकोच नहीं किया। राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ट्रंप के ताज़ा 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व' की तरह ही 'ऑपरेशन नेप्च्यून स्पीयर' को हरी झंडी दी थी। पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिका की नेवी सील टीम ने 9/11 हमलों के मास्टरमाइंड ओसामा को 1-2 मई 2011 की रात में मारने के ऑपरेशन को वैसे ही अंजाम दिया, जैसे इस तीन जनवरी की आधी रात को काराकास के राष्ट्रपति भवन में निकोलस मादुरो को दबोचने का सैन्य अभियान हुआ।

सो, ओबामा हों या डोनाल्ड ट्रंप, ये उस अमेरिकी व्यवस्था के प्रतिनिधि हैं, जिसमें ओलंपिक मेडल जीतना सामान्य बात है, तो सिलिकॉन वैली में कृत्रिम बुद्धि (एआई) की रचना का प्रतिमान भी सामान्य है, तो नौसेना की नेवी सील टीम हो या डेल्टा फ़ोर्स या सीआईए, सभी अपनी क्षमताओं का वह जज़्बा लिए होते हैं, जो वेयक्तिक धुन, टीम में पकती है और फिर बस उद्देश्य व कमांड की ज़रूरत होती है।

ऐसे जज़्बे वाले दूसरे देश का नाम इज़राइल है। इज़राइल की वजह यहूदियों का इतिहास बोध और संकल्प है। इज़राइल ने 1948 में गठन के बाद से व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बूते ही अर्थ, धर्म, काम की मनुष्य वृत्तियों में नागरिकों और व्यवस्था को ऐसा बनाया है कि प्रधानमंत्री कोई हो, वह ज्ञात ख़तरों के प्रति कभी लापरवाह नहीं होता। इज़राइली व्यवस्था भी चेक बैलेंस में पाबंद है। नेतन्याहू हों या कोई प्रधानमंत्री, वे संस्थाओं और व्यवस्थाओं की स्वतंत्रता, जीवंतता का गला नहीं घोंटते। तभी ये दो ही देश हैं, जो विश्व राजनीति में बतौर धुरंधर बाकी सभी देशों को ठेंगा दिखाते हैं। ये जो चाहते हैं, वह करते हैं, फिर भले कोई इसे दादागीरी कहे या गुंडागर्दी! सन् 2025 की जनवरी से इस तीन जनवरी की ताज़ा घटना में डोनाल्ड ट्रंप की पहचान मनमर्ज़ी की है। इससे अमेरिकी पहचान बिगड़ी, तो अमेरिका में भी आर पार की राजनीति के पाले बने हैं। मगर अमेरिका के हित की कसौटी में गौर करें, तो ट्रंप के फैसले अर्थिकी, सैन्य क्षमता, उद्यमशीलता, सामाजिक संरचना, पूंजीवाद आदि, सभी कसौटियों में ठीक ही हैं। भाषा और तौर तरीकों का फर्क है; अन्यथा राष्ट्रहित में उनके वैश्विक फैसलों (टैरिफ़ जंग, चीन को कसना, यूरोपीय देशों के सुरक्षा खर्च का बोझ घटाना, अपने से सटे दक्षिण अमेरिकी देशों यानी पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व की दादागीरी पर क्यों अमेरिका में कोई आपत्ति करेगा। वेनेज़ुएला के तानाशाह राष्ट्रपति को उठवाने के बाद ट्रंप ने कहा है, अब से पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व पर फिर कभी सवाल नहीं उठेगा। अमेरिका बहुत लंबे समय से 'मुनरो डॉक्ट्रिन' पर अमल के प्रति लापरवाह था। अब से ऐसा नहीं होगा। ध्यान रहे, 'मुनरो डॉक्ट्रिन' का उद्देश्य लैटिन अमेरिका से विदेशी शक्तियों को बाहर रखना है। मतलब पूंजीवादी अमेरिका को अपने पिछवाड़े या पड़ोस में सोवियत संघ, रूस, वामपंथियों का प्रभाव बर्दाश्त नहीं। इस नीति के कारण उन्नीसवीं सदी में अमेरिका ने पनामा, निकारागुआ, क्यूबा, बोलीविया, चिली, अर्जेंटीना आदि सभी देशों में हस्तक्षेप किया, सरकारें बदलीं, दक्षिणपंथी सरकारें बनवाईं। शीत युद्ध के दौरान क्यूबा पर तो अमेरिका और सोवियत संघ में ज़बरदस्त ठनी थी, जिसके समाधान में सोवियत संघ झुका, उसने क्यूबा से अपनी मिसाइलें हटाईं।

वे दिन वापिस लौट आए हैं। डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा है कि अमेरिका अब वेनेज़ुएला को चलाएगा, यदि ज़रूरत पड़ी तो ज़मीन पर सैनिक उतार कर भी। वेनेज़ुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार हैं। उसकी कंपनियां बेहद विशाल संपदा निकालेंगी। अमेरिकी और वेनेज़ुएलावासी, दोनों की अमीरी बढ़ेगी। इसके साथ ट्रंप ने कोलंबिया और क्यूबा को भी धमकाया है। उन्होंने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो पर कोकीन बनाकर उसे अमेरिका भेजने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि वे अब अपने को बचाएं।

विश्व राजनीति में अपने इलाके में अपनी दबंगई की चाह हर महाबली को रही है। इसी कारण रूस के पुतिन ने यूक्रेन में पंगा बनाया। ऐसे ही चीन अपने प्रभाव क्षेत्र की ज़िद में है। हिसाब से दक्षिण एशिया में भारत का हित भी पड़ोसी देशों पर प्रभाव बनाए रखने से, बाहरी प्रभाव यानी चीन को बाहर रखे रखने में है। मगर भारत की व्यवस्था पोली है, चेहरे ठगने वाले हैं, इसलिए चीन को आंख दिखाने या अपने इलाके में अपने रुतबे की ताक़त ही नहीं है। लालबहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी (दोनों की कमान में दुनिया ने असल सैन्य क्षमता जानी थी) के अपवाद को छोड़, भारत की व्यवस्था और उसके तमाम प्रधानमंत्री या तो रक्षात्मक रहे हैं या जनता को दिखावे, शौर्य के ऑपरेशन बनाते हुए।

याद करें युगांडा के हवाईअड्डे से नागरिकों को छुड़वाने के इज़राइली ऑपरेशन को या अमेरिका के पाकिस्तान में आतंकियों को मारने, ईरान के एटमी ठिकानों पर हमले; या वेनेज़ुएला के ताज़ा 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व' के परिणामों को। और अब ज़रा प्रधानमंत्री मोदी के छप्पन इंची छाती की कमान में बने ऑपरेशनों पर ध्यान दे? उनके क़िस्से हैं, कहानियां हैं, फ़िल्में हैं, पर परिणाम शून्य। पिछले ग्यारह वर्षों में भारत ने उरी की छावनी में घुसपैठ देखी। वही पुलवामा की आतंकी भयावहता दहलाने वाली थी; तो पहलगाम में हत्याएं नृशंसज मगर इन घटनाओं का एक भी दोषी, आतंकी अपराधी भारत की जेल में नहीं है। जबकि ट्रंप अभी कोकीन सप्लाई के आरोप में वेनेज़ुएला के राष्टपति को उठवा कर न्यूयॉर्क की अदालत में पेश करने वाले हैं; उधर एटमी ख़तरे में ईरान के एटमी ठिकाने पाताल में धंसा दिए हैं। जबकि भारत की सूरमा एजेंसियों, धुरंधरों का बूता नहीं है जो वे दाऊद इब्राहिम को दबोचें या भारत में ख़ौफ़नाक घटनाओं के ज़िम्मेदार आतंकी, मौलाना मसूद अज़हर, हाफ़िज़ सईद, लख़वी, कासकर को पाकिस्तान से उठा कर जेल में डालें।

बहरहाल, अमेरिका की एजेंसियां व संस्थाएं ठोस हैं, तो नतीजे भी असल और ठोस होंगे। वेनेज़ुएला के ऑपरेशन की गूंज चीन रूस को भी हैसियत बताने वाली है। दोनों देशों के हाथ पांव फूलेंगे। वेनेज़ुएला का राष्टपति रूस के भरोसे था; सो, फिर साबित है कि रूस या चीन में वह क्षमता ही नहीं कि किसी के लिए वे अमेरिका से भिड़ें। चीन आज बैटरी यानी ईवी वाहनों के उत्पादनों से वैश्विक बाज़ार में जो डंका बजाए हुए है, उस पर संकट आ सकता है। इसका अधिकांश कच्चा माल, लिथियम, निकल, कोबाल्ट, ग्रेफाइट–दक्षिण अमेरिका की खदानों से (चिली, अर्जेंटीना और बोलीविया के 'लिथियम ट्रायंगल' व ब्राज़ील की 'लिथियम वैली') मिलता है। सो, असंभव नहीं कि ट्रंप प्रशासन अपने रुतबे में चीन की सप्लाई रुकवाए। अमेरिकी विदेश रक्षा नीति में 'मुनरो डॉक्ट्रिन' पर अमल का संकल्प ठोस हुआ, तो सर्वाधिक प्रभावित चीन होगा।दक्षिण अमेरिका को चीन ने चुपचाप लपेटे में लिया है। ब्राज़ील के राष्टपति लूला, ब्रिक्स के ज़रिए चीन से जो नाता बनाए हुए हैं, वह ट्रंप प्रशासन को खटक रहा है। तभी 2026 में कोलंबिया, क्यूबा के बाद ब्राज़ील भी ट्रंप प्रशासन के निशाने में होगा। उधर ट्रंप ने ईरान के अयातुल्ला शासन को धमकी दी है कि वे अपने प्रदर्शनकारियों पर गोली न चलाएं; अन्यथा अमेरिका चूकेगा नहीं। मेरा मानना है कि इज़राइल तथा खाड़ी अरब के सुन्नी बहुल देश–सभी मिलकर–शिया ईरान पर ट्रंप प्रशासन से कार्रवाई चाहते होंगे। ईरान भी रूस चीन पर आश्रित है; तो वेनेज़ुएला की तरह यदि ईरान का अमेरिका ने टेकओवर किया, तो विश्व राजनीति में अकल्पनीय धमाल होगा। उससे पाकिस्तान, भारत, रूस, दक्षिण एशिया–सब प्रभावित होंगे। इसलिए 2026 की शुरुआत असाधारण है। वेनेज़ुएला में अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन पर दुनिया चाहे जो कहे, हल्ला करे–पर ट्रंप रुकने वाले नहीं हैं। पिछले वर्ष उन्होंने व्यापार अर्थिकी के मोर्चे पर दुनिया को घायल किया; तो इस वर्ष वे सामरिक भूराजनीतिक मोर्चे में हैरान परेशान करने वाले हैं। नोट रखिए–कोई कुछ नहीं कर सकता। इसलिए क्योंकि अमेरिकी व्यवस्था का कोई तोड़ नहीं है।

सिखों के दशम गुरु —गुरु गोविंद सिंह

//अशोक प्रवृद्ध//

उन्होंने देश, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सिखों को संगठित किया और उन्हें सैनिक परिवेश में ढाला। मान्यता है कि धर्म और न्याय की प्रतिष्ठा के लिए गुरु गोविंद सिंह का अवतरण हुआ था। इसी उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा था — मुझे परमेश्वर ने दुष्टों का नाश करने और धर्म की स्थापना के लिए भेजा है। सिख धर्म के सर्वाधिक वीर योद्धा और निर्बलों को अमृतपान कर शस्त्रधारी बनाकर उनमें वीर रस भरने वाले सिख समुदाय के दसवें और अंतिम धर्मगुरु (सतगुरु) गुरु गोविंद सिंह (22 दिसम्बर, 1666 ई. — पटना, बिहार, 7 अक्टूबर, 1708 ई. — नांदेड़, महाराष्ट्र) न केवल सिखों के सैनिक संगति और ख़ालसा के सृजन के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि वे उस ऐतिहासिक निर्णय के लिए भी लोकप्रसिद्ध हैं कि अब सिख पंथ में देहधारी गुरु की परंपरा समाप्त हो और गुरु ग्रंथ साहिब ही सर्वमान्य गुरु हो।

गुरु गोविंद सिंह ने सर्वप्रथम खालसा पंथ में सिंह उपनाम लगाने की शुरुआत की। उन्होंने आदेश दिया कि आगे से कोई भी देहधारी गुरु नहीं होगा – गुरु की वाणी और गुरु ग्रंथ साहिब ही सिखों के लिए गुरु की भूमिका रखेंगे। एक प्रवीण कवि के रूप में गुरु गोविंद सिंह ने समय के अनुकूल योगियों, पंडितों और संतों के लिए बाणी की रचना की, जिसे बाद में बेअंत बाणी कहा गया।

ऐसे महान योद्धा और गुरु का जन्म मुग़ल शासन के समय पौष शुदी सप्तमी संवत 1723 (तदनुसार 22 दिसम्बर, 1666) को पटना शहर में गुरु तेग बहादुर और माता गुजरी के घर हुआ। उनका नाम गोविंद राय रखा गया। उनके जन्म पर पूरे शहर में उत्सव मनाया गया।

बचपन में गोविंद को खिलौनों से खेलना पसंद था, लेकिन वे तलवार, कृपाण, धनुष बाण से खेलने में भी रुचि रखते थे। बाल्यकाल से ही वे अत्यंत शरारती थे, परन्तु दूसरों को कष्ट नहीं देते थे। एक किस्सा प्रसिद्ध है कि वे सूत काटने वाली एक निसंतान वृद्धा के साथ शरारत करते थे – उसकी सूत की पूनियाँ बिखेर देते थे। जब वृद्धा उनके माता पिता के पास शिकायत लेकर जाती थी, तो माता गुजरी पैसे देकर उसे खुश कर देती थीं। एक बार माता गुजरी ने गोविंद से कारण पूछा कि तुम वृद्धा को तंग क्यों करते हो। गोविंद ने सहज भाव से कहा कि वह उसकी गरीबी दूर करना चाहता है – क्योंकि अगर मैं उसे परेशान नहीं करूंगा, तो उसे पैसे कैसे मिलेंगे?गोविंद राय को सैन्य जीवन का लगाव अपने दादा गुरु हरगोबिन्द सिंह से मिला था और उन्हें महान बौद्धिक संपदा भी विरासत में मिली थी। बहुभाषाविद गुरु गोविंद सिंह को फ़ारसी, अरबी, संस्कृत और पंजाबी भाषाओं का अच्छा ज्ञान था। उन्होंने सिख क़ानून को सूत्रबद्ध किया, काव्य रचना की, और सिख ग्रंथ दसम ग्रंथ (दसवाँ खंड) लिखकर प्रसिद्धि पाई।उन्होंने देश, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सिखों को संगठित किया और उन्हें सैनिक परिवेश में ढाला। मान्यता है कि धर्म और न्याय की प्रतिष्ठा के लिए गुरु गोविंद सिंह का अवतरण हुआ था। इसी उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा था – मुझे परमेश्वर ने दुष्टों का नाश करने और धर्म की स्थापना के लिए भेजा है। यही कारण है कि आज भी गुरु गोविंद सिंह के जन्म उत्सव को गुरु गोविंद जयंती के रूप में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर गुरुद्वारों में भव्य कार्यक्रमों के साथ गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ होता है और अंत में सामूहिक भंडारा यानी लंगर का आयोजन होता है।नवीन मत के अनुसार 2026 में गुरु गोविंद सिंह जयंती 5 जनवरी को मनाई जाएगी। खालसा पंथ में विशेष महत्त्व रखने वाले इस अवसर पर उनके जन्म स्थल पटना साहिब तथा आनंदपुर साहिब (गुरुद्वारा केशगढ़ साहिब) और अन्य स्थानों पर जयंती अत्यधिक धूमधाम से मनाई जाती है।

अपने पिता गुरु तेग बहादुर की बलिदान के बाद, जब वे केवल 9 वर्ष के थे, तो बालक गोविंद राय को गुरु गद्दी संभालनी पड़ी। गुरु की गरिमा बनाए रखने के लिए उन्होंने अपना ज्ञान बढ़ाया और संस्कृत, फ़ारसी, पंजाबी और अरबी भाषाएँ सीखीं। उन्होंने धनुष बाण, तलवार, भाला आदि हथियार चलाने की कला भी सीखी। उन्होंने अन्य सिखों को भी अस्त्र शस्त्र चलाना सिखाया। सिखों को अपने धर्म, जन्मभूमि और अपनी रक्षा के लिए संकल्पबद्ध किया और उन्हें मानवता का पाठ पढ़ाया। उनका नारा था – सत श्री अकाल।

जाति भेद और सम्प्रदायवाद को जड़ से समाप्त करने हेतु गुरु गोविंद सिंह ने एक क्रांतिकारी कदम उठाया। देश के अलग अलग भागों तथा समाज के विभिन्न जातियों और सम्प्रदायों से आए पांच प्यारे – जिन्हें पंच प्यारे के नाम से जाना जाता है – को एक ही कटोरे में अमृत पिला कर एक किया गया। इस क्रांति के बीज से उन्होंने जाति भेद तथा सम्प्रदायवाद को मिटाया।परंपरा के अनुसार, पंजाब में फ़सल की कटाई पहली बैसाख को ही शुरू होती है और देश के अन्य हिस्सों में भी इसी दिन फ़सल कटाई का त्योहार मनाया जाता है। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि बैसाखी दिवस को गुरु गोविंद सिंह के जीवन के आदर्शों को देश, समाज और मानवता की भलाई के लिए प्रेरणा मानकर श्रद्धापूर्वक मनाने से आतंकवाद तथा हमलावरों का सामना किया जा सकता है।गुरु गोविंद सिंह ने सिखों में युद्ध की भावना तथा जीवन का उत्साह बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए। उन्होंने वीर काव्य और संगीत का सृजन किया और सिखों में लौह कृपा अर्थात कृपाण के प्रति प्रेम विकसित किया। खालसा को पुनः संगठित सिख सेना का मार्गदर्शक बनाकर उन्होंने दो मोर्चों पर शत्रुओं के खिलाफ क़दम उठाए – पहला मुग़लों के खिलाफ फ़ौज, और दूसरा विरोधी पहाड़ी जनजातियों के खिलाफ युद्ध। उनकी सैन्य टुकड़ियाँ सिख आदर्शों के प्रति पूरी तरह समर्पित थीं और सिखों की धार्मिक तथा राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार थीं। लेकिन गुरु गोविंद सिंह को इस स्वतंत्रता की भारी कीमत चुकानी पड़ी। अंबाला के पास एक युद्ध में उनके चारों बेटे मारे गए। गुरु गोविंद सिंह ने धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र की आन बान शान के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। उनके सामने पहाड़ी राजाओं की ईर्ष्या पहाड़ जैसी ऊँची थी। दूसरी ओर औरंगज़ेब की धार्मिक कट्टरता की आँधी लोगों के अस्तित्व को लील रही थी। ऐसे समय में गुरु गोविंद सिंह ने समाज को एक नया दर्शन दिया। उन्होंने आध्यात्मिक स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए तलवार धारण की। गुरु गोविंद सिंह और मुगल बादशाह बहादुर शाह द्व मित्र भी थे। गुरु जी ने अपने सैनिकों के साथ जांजू की लड़ाई में बहादुर शाह का साथ दिया, जिससे 8 जून 1707 को आगरा के पास बहादुर शाह की विजय हुई। प्रसन्न होकर बादशाह ने गुरु जी को आगरा बुलाया और उन्हें एक बड़ी कीमती सीरोपायो (सम्मान के वस्त्र) तथा एक धुकधुकी (गर्दन का गहना) भेंट की, जिसकी कीमत लगभग 60,000 रुपये थी। मुगल सरकार के साथ एक पुराने मतभेद का समाधान संभव दिखाई दे रहा था। इसी बातचीत के दौरान बहादुर शाह ने कछ्वाहा राजपूतों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु दक्षिण की ओर कूच किया। उनके भाई कामबख़्श ने बग़ावत कर दी। बग़ावत दबाने हेतु बादशाह दक्षिण की ओर चला गया और गुरु जी को भी साथ ले गया। इस सम्पूर्ण घटनाक्रम में गुरु जी का संघर्षरत रहना उनके महान कर्मयोगी होने का प्रमाण है।

तस्वीरों की दुनिया

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे नवनियुक्त से मुलाकात की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर उनसे बातचीत की।

लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर कविंदर गुप्ता ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

भारत के कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तमिलनाडु के इरोड जिले में कृषि-आधारित उत्पाद एक्सपो का दौरा किया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई दिल्ली में वरिष्ठ बीजेपी नेता मुरली मनोहर जोशी से मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

यूपी में ठंड का प्रकोप, लखनऊ में आठ जनवरी तक 8वीं तक के स्कूल बंद रखने का आदेश

लखनऊ, 06 जनवरी [एजेंसी]।

मौसम विभाग के अगले कुछ दिनों तक शीतलहर और घने कोहरे के पूर्वानुमान को देखते हुए जिला प्रशासन ने राजधानी के कक्षा आठ तक के सभी स्कूल आठ जनवरी तक बंद रखने का आदेश जारी किया है। कक्षा नौ से 12 तक की कक्षाओं को दस से तीन बजे तक संचालित किया जा सकेगा। इस दौरान स्कूलों में ठंड से बचाव के पर्याप्त इंतजाम भी करने होंगे। इससे पहले पांच जनवरी तक स्कूलों को बंद रखने का आदेश था। लेकिन लखनऊ में ठंड और पूर्वानुमान को देखते हुए डीएम विशाख जी ने आज यह आदेश जारी किया। आदेश में कहा है कि जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी सभी परिषदीय, आवसीय, सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएंगे।बता दें, पिछले करीब 10 दिनों से प्रदेशभर में कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी है। सर्द पछुआ हवा से दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। करीब 10-15 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रही ठंडी हवा के कारण गलन बढ़ गया है।

हालांकि, सोमवार को राजधानी समेत आसपास के जिलों में धूप निकलने से अधिकतम पारा 18.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, लेकिन रात में ठिठुरन ने लोगों की परेशानी बढ़ाई। न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस रहा। वरिष्ठ मौसम विभाग वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को प्रदेश के अधिकतर जिलों में धूप निकलने के आसार हैं, जिससे दिन के पारे में दो-तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है, पर रात के तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होंगे। अब कोहरे का असर भी कम होगा। देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर और बलरामपुर जिलों के लिए घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मेरा अपहरण हुआ था, मैं एक सभ्य व्यक्ति हूं, अमेरिकी कोर्ट में मादुरो का पहला बयान

वॉशिंगटन। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की आज अमेरिकी कोर्ट में पेशी हुई। कोर्ट में पेशी के दौरान का उनका पहला बयान सामने आया है। मादुरो ने कहा कि मेरा अपहरण हुआ था, मैं एक सभ्य व्यक्ति हूं।दरअसल, अमेरिकी अदालत में सोमवार को निकोलस मादुरो की पेशी हुई। इस दौरान मादुरो ने संघीय मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों में खुद को निर्दोष और एक सभ्य व्यक्ति घोषित किया और अपने आप को निर्दोष बताया। उन्होंने कहा, मैं निर्दोष हूं। मैं दोषी नहीं हूं। मैं एक नेक इंसान हूं, अपने देश का राष्ट्रपति हूं, मादुरो ने जज से कहा कि उनका अपहरण किया गया था। नीली वर्दी पहनाकर मादुरो और उनकी पत्नी को दोपहर के आसपास अदालत में लाया गया। दोनों ने हेडसेट लगा रखे थे ताकि वे अंग्रेजी में चल रही कार्यवाही को सुन सकें, जिसका स्पेनिश में अनुवाद किया जा रहा था।

दुष्यंत कुमार गौतम ने ठोका दो करोड़ का मानहानि दावा, कांग्रेस व आप सहित नौ प्रतिवादियों के विरुद्ध दिल्ली हाई कोर्ट में दी याचिका

देहरादून । भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम ने अपने खिलाफ इंटरनेट मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्म पर लगाए गए आरोपों को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में मानहानि का दावा दायर किया है।याचिका में उन्होंने अभिनेत्री उर्मिला सनावर, पूर्व विधायक सुरेश राठौर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट आलोक शर्मा, एक्स (पूर्व में ट्विटर) यूजर मोहित चौहान सहित कुल नौ प्रतिवादियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। याचिका में दुष्यंत कुमार गौतम की ओर से आरोप लगाया गया है कि प्रतिवादियों ने एक्स, मेटा प्लेटफार्म (फेसबुक/इंस्टाग्राम) और यूट्यूब के माध्यम से उनके खिलाफ मानहानिकारक बयान प्रसारित किए हैं, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और छवि को काफी नुकसान पहुंचा है।इसी आधार पर वादी ने कुल नौ प्रतिवादियों से दो करोड़रुपये के हर्जाने की मांग की है। याचिका में यह भी प्रार्थना की गई है कि कोर्ट वादी के पक्ष में स्थायी निषेधाज्ञा जारी करें, जिससे प्रतिवादियों और उनके एजेंटों, प्रतिनिधियों, सहयोगियों, वारिसों एवं रिश्तेदारों को वादी के विरुद्ध किसी भी प्रकार के मानहानिकारक आरोपों के प्रकाशन व प्रसार से रोका जा सके। इसके अलावा उन्होंने कोर्ट से यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि प्रतिवादी न केवल याचिका में विशेष रूप से सूचीबद्ध आपत्तिजनक लिंक हटाएं, बल्कि वादी या उसके अधिवक्ता की ओर से सूचित किए जाने पर उसी सामग्री के समान, मिरर, पुनः अपलोड किए गए, संपादित या अनुवादित सभी संस्करणों को भी संबंधित प्लेटफार्म से तत्काल हटाने के लिए बाध्य हों।भाजपा के राष्ट्रीय नेता दुष्यंत कुमार गौतम की ओर से डालनवाला कोतवाली में उर्मिला सनावर व अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है। इससे पहले बीते 24 दिसंबर को पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती गौड़ की ओर से भी दून के नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। आरती गौड़ की शिकायत के अनुसार, उर्मिला सनावर और पूर्व विधायक सुरेश राठौर की ओर से इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर उनके खिलाफ तथ्यविहीन, भ्रामक और अश्लील सामग्री लगातार पोस्ट की गई।

अभी तो ट्रेलर है, मार्च के बाद भू-माफिया की बारी, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा की चेतावनी

भागलपुर, 06 जनवरी [एजेंसी]।

कई मामलों में सीओ द्वारा पेंच फंसाने का मामला सामने आया। सीओ के यहां तीन सुनवाई का डेट पड़ने और एक पक्ष के लोग के नहीं आने पर सीओ फैसला सुना सकते हैं, लेकिन यहां छह तिथि के बाद भी फैसला नहीं सुनाया गया है। उपमुख्यमंत्री ने मामले में तत्काल फैसला सुनाने का निर्देश दिया। रंगरा चौक अंचल के रुपेश कुमार ने कहा कि भू-माफिया मुझे अपनी जमीन पर खेती करने नहीं दे रहे हैं। सीओ काम नहीं कर रहे हैं। एक पक्ष के नहीं आने के बाद फैसला नहीं सुनाया जा रहा है। इससे नाराज उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सिस्टम में कमजोरी है।उन्होंने सीओ से पूछा कि कब तक काम हो जाएगा। सीओ ने कहा कि एक सप्ताह में काम हो जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने नवगछिया एसपी भू-माफिया की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी को ऐसे लोगों के विरुद्ध सीसीए के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सीओ साहब नियत ठीक रखिए, सब ठीक हो जाएगा। लोगों से उन्होंने कहा कि अभी तो यह ट्रेलर है, मार्च के बाद भू-माफिया की बारी होगी। सबौर के जगत कुमार सिंह ने सबौर थानाध्यक्ष पर आरोप लगाया कि उन्होंने दूसरे पक्ष से मिलकर मेरे उपर उससी-एसटी केस दर्ज करा दिया है। उपमुख्यमंत्री ने एसएसपी को निर्देश दिया कि थाना प्रभारी को हटाने की कार्रवाई कीजिए। झूठा केस करने वालों पर केस कीजिए और जेल भेजिए। ऐसे लोग समाज के कलंक हैं। बाथ के रहने वाले रामदेव मंडल ने कहा कि कुछ लोगों ने बथान के जला दिया और बाथ थानाध्यक्ष ने जबरन सारे सामान को हटा दिया।उन्होंने कहा कि मेरी 12 डीसमल जमीन है। अगर इसके अलावा गैर मजरूआ जमीन है तो ले लिया लाए, लेकिन ऐसी कार्रवाई और भी लोगों के साथ हो। गोराडीह अंचल के मंजर आलम ने जाली केवाला का ममला उठाया। उपमुख्यमंत्री ने दोषियों पर एफआईआर करने का निर्देश दिया। उन्होंने सीओ से कहा कि कार्रवाई करने से आपका हाथ क्यों थर-थरा रहा है। उन्होंने एडीएम को मामले को देखने का निर्देश दिया। बिहपुर की अनिता देवी ने कहा कि हम निसहाय है और मेरा काम नहीं हो रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि निसहाय का सहाय हम बनेंगे।

आंध्र प्रदेश में तेल कुएं से लीक हुई गैस, घर छोड़कर भागे लोग, पूरे इलाके में हाई अलर्ट

कोनासीमा। आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले में ONGC के एक चालू तेल कुएं से बड़े पैमाने पर गैस लीक हो गई। इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। घटना तब हुई, तब कुएं में कुछ समय के लिए प्रोडक्शन बंद होने के बाद वर्कओवर रिग का इस्तेमाल करके मरम्मत किया जा रहा था।मरम्मत के दौरान एक जौरदार धमाका हुआ और कच्चे तेल के साथ मिली हुई गैस भारी मात्रा में मिली और हवा में बहुत ऊपर तक चली गई। यह तेल का कुआं कोनासीमा के राजोल इलाके के इरुसुमंडा गांव में है। स्थानी अधिकारियों के मुताबिक, लीक हुई गैस में तुरंत आग लग गई। ये देखकर आस-पास रहने वाले लोग और अधिकारी भी घबरा गए। गैस और धुएं का बादल सुमंडा और आसपास के इलाकों में घने कोहरे की तरह फैल गया। स्थानीय प्रशासन ने तुरंत पास के गांव खाली करवा लिए।कई लोग पहले ही घरों से भाग गए। वे अपने मवेशियों को भी सुरक्षित जगह पर ले गए। लोगों से बिजली का इस्तेमाल न करने, बिजली के उपकरण चालू न करने और चूल्हा न जलाने को कहा गया है। ONGC के कर्मचारी लीक को कंट्रोल करने और आग बुझाने के लिए मौके पर मौजूद हैं।

राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल बोले- संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति कर उत्तराखंड का माहौल खराब कर रही कांग्रेस

देहरादून, 06 जनवरी [एजेंसी]।

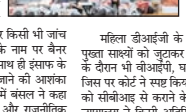

राज्यसभा सदस्य एवं भाजपा के राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल ने अंकिता हत्याकांड को लेकर कांग्रेस समेत विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस संवेदनशील मुद्दे पर कांग्रेस गैरजिम्मेदाराना राजनीति कर प्रदेश का माहौल खराब करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दोहराया कि ठोस साक्ष्यों के आधार पर सरकार किसी भी जांच के लिए तैयार है। उन्होंने बीते दिवस विरोध प्रदर्शन के नाम पर बैनर फाड़ने और अभद्रता के घटनाक्रम की आलोचना की। साथ ही इंसाफ के नाम पर जारी आंदोलन के अराजक तत्वों के हाथ में जाने की आशंका जताई।प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में बंसल ने कहा कि इस संवेदनशील मुद्दे पर विभिन्न राजनीतिक दलों और राजनीतिक महत्वाकांक्षा वाले लोग गैरजिम्मेदाराना राजनीति कर रहे हैं। अब तक के घटनाक्रम और बीते दिवस हुई तोड़फोड, बैनर फाड़ने और अभद्रता इस बात का इशारा करती है कि प्रदेश का माहौल खराब करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि उसे सीबीआई या किसी भी अन्य जांच से गुरेज नहीं है। लेकिन, ठोस सबूत और तार्किक तथ्य सामने आने ही चाहिए या फिर जो आरोप लगा रहे हैं, वे इसकी प्रमाणिकता जांच एजेंसी के सम्मुख रखें।उन्होंने कहा कि यह मामला अपीलीय अदालतत में है और वहां भी नए सिरे से जांच करवाने के लिए कोर्ट के सामने इन साक्ष्यों की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने प्रश्न उठाते हुए कहा कि जिन तमाम बातों को कांग्रेस समेत अन्य पक्ष उठा रहे हैं, उन सब पर न्यायालय में लंबी चर्चा हुई है। इसके आधार पर दोषियों को उम्रकैद हुई है।उन्होंने कहा कि जैसे ही अंकिता हत्याकांड का दुखद घटनाक्रम सामने आया तो, तत्काल कार्रवाई कर दोषियों को पकड़ा गया।

महिला डीआईजी के नेतृत्व में एसआईटी गठित हुई, जिसने सभी पुख्ता साक्ष्यों को जुटाकर अदालत में प्रस्तुत किया। न्यायालय में जिरह के दौरान भी वीआईपी, घटनास्थल से छेड़छाड़ जैसे तमाम विषय आए, जिस पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इसकी संभावना नजर नहीं आती है।जांच को सीबीआइ से कराने के लिए भी लोग सुप्रीम कोर्ट तक गए, लेकिन न्यायालय ने किसी अतिरिक्त जांच से इन्कार किया। ऐसे में जब लंबी सुनवाई के बाद न्यायालय ने निर्णय दे दिया और अब उसकी अपील उच्च न्यायालय में लंबित है तो फिर से उन्हीं तथ्यों को क्यों उठाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर कांग्रेस समेत विपक्ष अपनी 2027 के विधानसभा चुनाव की संभावनाएं तलाश रहा है। ऐसा करने के प्रयास में वे न केवल प्रदेश की छवि और माहौल खराब कर रहे है, बल्कि दिवंगत बेटी को अपमानित करने का प्रयास कर रहे हैं।विशेषकर कांग्रेस, बार बार बिना सबूतों और तथ्यों के अलग अलग नामों को उछालकर, सीबीआई जांच की मांग की आड़ में ये पाप कर रही है। उन्होंने कहा कि कहीं यह अपराधियों को बचाने की कोशिश तो नहीं है।

डॉक्टर के पास गई थी इलाज कराने, लेकिन क्लिनिक के अंदर जो हुआ... महिला ने भागकर बचाई जान!

बिलासपुर, 06 जनवरी [एजेंसी]।

एक महिला ने आरोप लगाया है कि झोलाछाप ने स्वास्थ्य परीक्षण के नाम पर उसके कपड़े उतरवा दिए और अश्लील हरकतें की। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामला दो समुदाय से जुड़ा है। घटना कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की है।यहां रहने वाली महिला सोमवार सुबह लगभग 11 बजे अपने पति के साथ रोते बिलखते कोतवाली पहुंची। बताया कि उसका कई दिनों से स्वास्थ्य खराब चल रहा था। जिसके उपचार के लिए वह गांव में मौजूद एक झोलाछाप के पास चली गई। आरोप लगाया कि झोलाछाप ने चेकअप के नाम पर उसके कपड़े उतरवा दिए और अश्लील हरकतें करने लगा। पहले तो वह कुछ समझ नहीं पाई, लेकिन ज्ञात होने पर उसने विरोध जताते हुए खूब हंगामा किया। इसके चलते झोलाछाप के क्लीनिक में स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने झोलाछाप की इस हरकत का कड़ा विरोध किया। बाद में पीड़िता ने घर पहुंच कर अपने पति को घटनाक्रम से अवगत करवाया। इस पर पति भी आरोपित के क्लीनिक पर पहुंच गया। दोनों पक्षों में मारपीटड्ड की नौबत आ गई।कुछ लोगों ने दोनों पक्षों को अलग कराया। इसके बाद पत्नी को साथ लेकर थाने पहुंचे पति ने आरोपित के खिलाफ तहरीर दे दी। प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि पीड़िता के पति की तहरीर पर आरोपित जुबैर अहमद निवासी गांव हामिदाबाद के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चांदी कारोबारी की हत्या के मामले में 200 CCTV खंगाले पुलिस ने दो मुस्लिम युवकों समेत 8 और संदिग्धों को उठाया

मथुरा। लाल दरवाजा में घर के अंदर चांदी कारोबारी की लूट के बाद हत्या की वारदात के दूसरे दिन सोमवार को भी पुलिस के हाथ खाली रहे। कारोबारी का मोबाइल भी गायब है। पुलिस की छह टीमों ने दिन भर में दो सौ से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले। इसके बाद दो मुस्लिम युवक समेत आठ और संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। पुलिस ने मृतक की काल डिटेल्स भी निकलवाई, लेकिन हत्यारे का कोई सुराग नहीं लगा। टीमें वारदात के राजफाश में जुटी हैं। गोविंद नगर थाना क्षेत्र के मुहल्ला तेली पाड़ा निवासी 62 वर्षीय चांदी कारोबारी सतीश चंद्र गर्ग की शनिवार शाम उनके ही कमरे में लूटपाट के बाद हत्या कर दी गई। रविवार सुबह तक कोई हलचल न होने पर किराएदारों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को कमरे में खून से लथपथ उनका शव मिला था। कनपटी पर गोली जैसा घाव था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव का एक्सरे भी कराया, लेकिन बुलेट नहीं मिली। एसपी राजीव कुमार सिंह ने वारदात के राजफाश के लिए एसओजी, स्वाट, सर्विलांस समेत छह टीमें लगाई थी। मकान व गली में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होने से पुलिस की मुश्किलें बढ़ गईं। इधर वारदात के बाद से मृतक चांदी कारोबारी का मोबाइल भी गायब है। पुलिस ने उनकी काल डिटेल्स निकलवाई, लेकिन कोई अहम सुराग हाथ नहीं लगे। सोमवार को सुबह से टीमें सीसीटीवी कैमरे खंगालने में लगी रही।देर शाम तक 200 सौ से अधिक कैमरे देखे गए, लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। हिरासत में लिए गए आधा दर्जन से लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस ने दो मुस्लिम युवक समेत आठ और संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

गोविंद नगर थाना प्रभारी रवि त्यागी ने बताया कि टीमें हत्याकांड के राजफाश में लगी हैं। जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर राजफाश कर दिया जाएगा।चांदी कारोबारी की हत्या के बाद सराफा कारोबारियों में अफरा-तफरी मची है। कई सराफा कारोबारी दुकानों में ही दुबके रहे। हत्याकांड के राजफाश के लिए पुलिस मृतक से जुड़े अन्य कारोबारियों से पूछताछ कर रही है। सराफा कारोबारियों का कहना है कि पुलिस को कुछ बताने पर फिर बार-बार पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। पुलिस उनको भी शक की नजर देखेगी।

शासन व्यवस्था जनता के द्वार तक पहुंची, सीएम मोहन माझी बोले- जनता के भरोसे से ओडिशा बनेगा समृद्ध-सशक्त

भुवनेश्वर 6 जनवरी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि जनसुनवाई, पारदर्शी प्रशासन और त्वरित कार्रवाई के आधार पर राज्य की शासन व्यवस्था आज आम जनता के द्वार तक पहुंच पाई है। उन्होंने यह बात सोमवार को भुवनेश्वर के यूनिट-2 स्थित शिकायत प्रकोष्ठ में आयोजित 16वें जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार का उद्देश्य प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को समाप्त कर व्यवस्था को लोगों के और अधिक निकट लाना है। मुख्यमंत्री ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी अपने विचार साझा करते हुए लिखा कि जनता का अटूट विश्वास और आस्था ही उन्हें निरंतर सेवा करने की ऊर्जा देता है। यह सरकार 'लोगों की सरकार' है और इसमें यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी नागरिक न्याय से वंचित न रहे।उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से आम लोगों की समस्याओं का सीधे समाधान करना सरकार की प्राथमिकता है। राज्य के दूर-दराज इलाकों से आए लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने विश्वास जताया कि जनता के सहयोग और भरोसे से ओडिशा को समृद्ध, सशक्त और विकसित राज्य बनाने का लक्ष्य अवश्य पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रत्येक कदम जनता की सेवा के लिए समर्पित है।

संभल में लिफ्ट देने के बहाने युवक से कुकर्म की कोशिश, पुलिस को देख कार छोड़ भागा चालक

संभल, 06 जनवरी [एजेंसी]।

संभल से काम करके देर रात घर लौट रहे एक युवक के साथ लिफ्ट देने के बहाने चालक ने सूनसान इलाके में कुकर्म का प्रयास किया। साथ ही पुलिस को आता देख चालक कार को छोड़कर मौके पर फरार हो गया। जिसके बाद पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया। साथ ही पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। मुरादाबाद जिले के मैनाठेर अंतर्गत एक गांव निवासी एक युवक संभल कोतवाली क्षेत्र में मजदूरी करता है। रोजाना की तरह ही वह तीन जनवरी को वह मजदूरी का कार्य करने संभल आया था। शाम को कोई वाहन न मिलने के कारण उसे देर हो गई और रात करीब चंदौसी चौराहे पर खड़ा होकर डेढ़ से दो बजे के वाहन का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान एक कार चालक ने उसे लिफ्ट देने के बहाने रोका। युवक ने अपने गांव जाने की बात कही तो चालक ने उसे वहीं छोड़ने का भरोसा दिया। आरोप है कि चालक ने रास्ते में उसके साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं और जबरन कुकर्म का प्रयास किया। विरोध किया और कार से उतरने की कोशिश की तो चालक ने कार लाक कर तेज गति से दौड़ा दी।फिरोजपुर पुल के पास चालक ने कार रोककर जबरन उसके साथ आपत्तिजनक हरकतें कीं। इसी दौरान सामने से पुलिस की गाड़ी को आता देख युवक ने चिल्लाना शुरू कर दिया। पुलिस को आता देख आरोपित चालक कार को संभल की ओर मोड़कर उससे कूद गया और मौके से फरार हो गया।घटना के बाद डरा-सहमा युवक पुलिस के साथ थाने पहुंचा और पुलिस को अज्ञात कार चालक के खिलाफ तहरीर दी। थाना प्रभारी निरीक्षक सुधीर पवांर ने बताया कि मामले में पीड़ित की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपित की तलाश की जा रही है।

अमेरिका की चिंता का निकला समाधान, वैश्विक न्यूनतम कॉरपोरेट टैक्स समझौते में संशोधन पर 145 देश सहमत

वॉशिंगटन। 145 से अधिक देशों ने सोमवार को 2021 के वैश्विक न्यूनतम कॉरपोरेट टैक्स समझौते में संशोधन करने पर सहमति व्यक्त की। इससे वॉशिंगटन की उन चिंताओं का समाधान हो गया कि ये नियम अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) ने कहा कि नए पैकेज में 15 प्रतिशत के वैश्विक न्यूनतम कर ढांचे को बरकरार रखा गया है। इसे यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां जहां भी परिचालन करती हैं, वहां एक निश्चित कर का भुगतान करें।अमेरिकी न्यूनतम कर कानूनों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने के लिए इस अपडेट टैक्स प्रणाली का सरलीकरण किया गया है और कुछ अपवाद रखे गए हैं, जो ट्रंप प्रशासन द्वारा उठाई गई पिछली आपत्तियों का समाधान करते हैं।ओईसीडी प्रमुख मैथियास कोरमैन ने कहा कि यह व्यवस्था टैक्स संबंधी निश्चितता को बढ़ाती है और जटिलता को कम करती है। यह कर आधारों की रक्षा करती है।

ड्यूटी के दौरान थमीं सांसें: पोस्टमार्टम कराने आए दारोगा की हार्ट अटैक से मौत, सिपाही देते रहे CPR

बदायूं, 06 जनवरी [एजेंसी]।

उझानी कोतवाली में तैनात दारोगा कुंवरपाल सिंह की सोमवार सुबह पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचते ही हृदयाघात (हार्टअटैक) से मृत्यु हो गई। वह एक किशोरी के शव का पोस्टमार्टम कराने आए थे। सिविल लाइंस थाने के सामने दुकान पर उन्होंने चाय पी और सिपाही मनोज के साथ मोबाइल पर बात करते हुए पोस्टमार्टम हाउस जा रहे थे। पोस्टमार्टम हाउस पर चढ़ते ही मिट्टी में गश खाकर गिर पड़े। यह देखकर पोस्टमार्टम हाउस के कर्मचारी भी पहुंचे और सीपीआर दिया लेकिन उनकी जान न बचा सके। मूलरूप से बुलंदशहर जिले के रामघाट निवासी 55 वर्षीय दारोगा कुंवरपाल सिंह उझानी कोतवाली में तैनात थे। कई साल से उनका परिवार चंदौसी की भगवती बिहार कालोनी में रहने लगा है। कुंवरपाल वर्ष 1989 में सिपाही के पद पर पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे। अभी दो साल पहले ही वह पदोन्नत होकर दारोगा बने थे।पिछले कुछ वर्षों से उन्हें डायबिटीज की समस्या थी। जो अब काफी बढ़ गई थी। इसके चलते उनके पैर आदि की स्किन का रंग तक बदल गया था। रविवार को उझानी में एक 15 साल की किशोरी ने फंदे से लटककर जान दे दी थी। वह उसी के शव का पोस्टमार्टम कराने आए थे। जब वह बदायूं पहुंचे, तब पोस्टमार्टम हाउस पर महिला डाक्टर नहीं आई थी।इससे वह सिविल लाइंस थाने के सामने दुकान पर चाय पीने रुक गए। यहां उन्होंने चाय पी और करीब 10 मिनट बाद सिपाही मनोज के साथ पैदल-पैदल पोस्टमार्टम हाउस के लिए चल दिए। जैसे ही वह पोस्टमार्टम हाउस के पूर्वी गेट के नजदीक ही पहुंचे कि वहां अचानक सिर पकड़ कर गश खाकर गिर गए।

यह देखकर पोस्टमार्टम हाउस का कर्मचारी सत्यवीर पहुंच गया। उसने दारोगा को सीपीआर दिया। इसके बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना पर उझानी इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार, कोतवाली इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह और बाद में एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, सीओ सिटी रजनीश कुमार उपाध्याय, सीओ उझानी डा. देवेंद्र कुमार व कई पुलिसकर्मी पहुंच गए।उनके स्वजन को सूचना दी गई और उनके शव का पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दो-तीन घंटे बाद उनके स्वजन भी अस्पताल पहुंच गए।

शाम को उनके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। सोमवार शाम पोस्टमार्टम के बाद पुलिस लाइन में उन्हें अंतिम विदाई दी गई। सभी पुलिस अधिकारियों ने उन्हें पुष्प चक्र अर्पित कर सलामी दी।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जब पोस्टमार्टम हाउस कर्मचारी सत्यवीर उन्हें सीपीआर देकर बचाने का प्रयास कर रहा था। उस दौरान डूबती सांस भी एक बार को वापस लौट आई थी। ऐसा लग रहा था कि अब शायद उनकी जान बच जाएगी। तभी तत्काल एंबुलेंस का इंतजाम किया गया और उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। कर्मचारी सत्यवीर रास्ते भर उन्हें सीपीआर देता रहा लेकिन वहां पहुंचते-पहुंचते उनका शरीर ठंडा पड़ चुका था।

अमेरिका ने वीजा के लिए 15 हजार डॉलर के बॉन्ड से जुड़ी सूची बढ़ाई, जोड़े गए इन देशों के नाम

वॉशिंगटन। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने उन देशों की सूची में सात और देश जोड़ दिए हैं, जिनके पासपोर्ट धारक नागरिकों के लिए अमेरिका में प्रवेश करने के लिए 15 हजार डालर तक के बांड भरना आवश्यक किया गया है।सूची में जिन नए देशों को शामिल किया गया है, उनमें पांच अफ्रीकी हैं। अब इस सूची में कुल 13 देश हो गए हैं, जिनमें से केवल दो अफ्रीका से बाहर के हैं। इन देशों के लोगों के लिए अमेरिकी वीजा पाना बेहद कठिन हो गया है।अमेरिकी विदेश विभाग ने पिछले सप्ताह सूची में भूटान, बोत्सवाना, सेंट्रल अफ्रीकी रिपब्लिक, गिनी, गिनी-बिसाऊ, नामीबिया और तुर्कमेनिस्तान को शामिल किया। इसे एक जनवरी से प्रभावी किया गया है। ट्रंप प्रशासन का अमेरिका में विदेशी नागरिकों के प्रवेश पर अंकुश लगाने की दिशा में यह ताजा कदम है। वे देश में सभी देशों के नागरिको के प्रवेश को लेकर विभिन्न वीजा संबंधित नियमों को लगातार सख्त कर रहे हैं।प्रशासन ने वीजा आवेदकों के लिए व्यक्तिगत साक्षात्कार देने के अलावा अपने और परिवार के बारे में विस्तृत जानकारी देने के साथ ही अपने इंटरनेट मीडिया के बारे पूर्ण विवरण देना अनिवार्य कर दिया है।

को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर : डायना पेंटी

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह-कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने आईएएनएस से बात की। अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज डू यू वाना पार्टनर के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को-एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। आईएएनएस से बात करते हुए डायना पेंटी ने कहा, एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह-कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।

डायना ने कहा, 卐डू यू वाना पार्टनर卐 में मेरी सह-कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है।卐

डायना ने कहा, इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ-स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन-स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है। तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, हम दोनों को कभी भी एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है।

उन्होंने कहा, मैं और तमन्ना एक-दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच-समझकर कहनी पड़े। हम खुलकर एक-दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है।

डायना ने कहा, कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म-नियंत्रण बहुत जरूरी है।

सिंगल पापा का आ रहा है दूसरा सीजन फैमिली कॉमेडी का मजा होगा दोगुना

फैमिली कॉमेडी वेब सीरीज सिंगल पापा दर्शकों के बीच मजेदार कहानी और किरदारों के कारण लोकप्रिय हो रही है। कुणाल खेमू के मुख्य किरदार गौरव और छोटे से बच्चे अमूल के साथ गहलोत परिवार की कहानी ने दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी जोड़ा है। शो की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह नेटफ्लिक्स पर दो हफ्ते तक लगातार ट्रेंड करता रहा। इस बीच अब सिंगल पापा के दूसरे सीजन की चर्चा शुरू हो गई है, यानी दर्शकों को जल्द ही गौरव और उसके परिवार के नए रोमांच देखने को मिलेंगे। सिंगल पापा के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर शशांक खेतान ने बताया कि यह कहानी शुरू से ही परिवार को केंद्र में रखकर सोची गई थी। उन्होंने कहा, दर्शकों का प्यार और जुड़ाव इस बात का सबूत है कि यह कहानी केवल एक सीजन में खत्म नहीं हो सकती। सीजन 2 में दर्शकों को परिवार की नई चुनौतियां, रिश्तों की मिठास और खुशियों का विस्तार देखने को मिलेगा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना काफी मजेदार रहा। इस सीरीज में कुणाल खेमू के अलावा, प्राजक्ता कोली, मनोज पाहवा, आयशा रजा, नेहा धूपिया, सुहैल नय्यर, दयानंद शेट्टी, आयशा अहमद, ध्रुव राठी, और ईशा तलवार जैसे कई कलाकार भी हैं। यह पूरी टीम मिलकर शो को और मजेदार और दिलचस्प बनाती है। कहानी कुणाल खेमू के किरदार गौरव गहलोत के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कभी-कभी बच्चे जैसा व्यवहार करता है।

सात समंदर पार भी सुरभि चंदना को सता रही मुंबई की याद, कहा- मेरा मन वापस शहर लौटने का कर रहा है

मुंबई सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि यहां रहने वालों के लिए एक एहसास है। जो एक बार मुंबई में रह लेता है, वह चाहे दुनिया के किसी भी कोने में चला जाए, इस शहर की याद उसे खींच ही लाती है। कुछ ऐसा ही लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री सुरभि चंदना के साथ हुआ। सात समंदर पार विदेश यात्रा पर गई सुरभि अपने शहर और खासतौर पर मुंबई के मशहूर वड़ा पाव को याद कर इमोशनल हो उठी, जिसकी झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर भी साझा की। सुरभि चंदना ने रविवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पिछले 15 दिनों से देश से बाहर हैं और अब उन्हें मुंबई की छोटी-छोटी चीजों की बहुत याद आने लगी है। इस वीडियो में सुरभि ने मजेदार अंदाज में दिखाया कि कैसे विदेश की शानदार जगहों और सुविधाओं के बीच रहते हुए भी उनका दिल मुंबई के ट्रैफिक, वड़ा पाव और सड़कों के गड्ढों तक को मिस कर रहा है।

वीडियो में सुरभि ने साल 2006 में आई फिल्म शादी से पहले के एक मशहूर डायलॉग का इस्तेमाल किया। इस फिल्म में सुनील शेट्टी का किरदार अपने शहर के लिए तड़पता हुआ दिखता है, और उसी भावना को सुरभि ने मजेदार ट्विस्ट के साथ पेश किया। वीडियो में वह कहती नजर आती कि अब उनका मन वापस मुंबई लौटने का कर रहा है, ताकि वह अपने शहर की रौनक और वहां की जिंदगी को फिर से जी सकें। वीडियो के ऊपर उन्होंने टेक्स्ट में लिखा, 15 दिन विदेश में बिताने के बाद अब मुंबई की असली पहचान याद आने लगी है। ट्रैफिक, वड़ा पाव और गड्ढे देखने की तलब लग रही है।

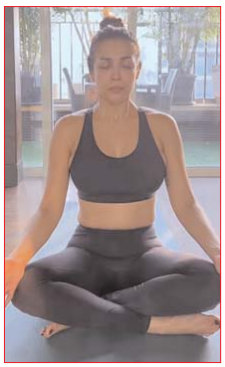

भस्त्रिका से लेकर भ्रामरी तक, मलाइका अरोड़ा ने बताया कैसे ये प्राणायाम बदल सकते हैं सेहत

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा हमेशा अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ हेल्दी लाइफस्टाइल, एक्सरसाइज और योग से जुड़ी जानकारी साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में सोमवार को मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह प्राणायाम करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उन्होंने उन महत्वपूर्ण प्राणायामों का जिक्र किया जो तन और मन दोनों के लिए फायदेमंद होते हैं। उन्होंने कैप्शन में पांच प्रमुख प्राणायामों के नाम साझा किए। मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में जिन पांच प्रमुख प्राणायाम का जिक्र किया, उनमें भस्त्रिका प्राणायाम, कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी और उद्गीथ शामिल हैं। ये सभी प्राणायाम वह वीडियो में करती नजर आ रही हैं, साथ ही इनके फायदों को भी बता रही हैं।

भस्त्रिका प्राणायाम- भस्त्रिका प्राणायाम फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है, शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है और मानसिक तनाव को कम करता है। लेकिन ध्यान रहे कि हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग या सांस की समस्या वाले लोग इसे बिना डॉक्टर की सलाह के न करें, क्योंकि इसमें तेज सांस लेने से सिर में चक्कर, कमजोरी या सांस फूलने की समस्या हो सकती है।

कपालभाति- कपालभाति में सांस जोर से बाहर निकाली जाती है, जिससे शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। यह पाचन सुधारता है, पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर को ऊर्जा देता है। लेकिन पेट या डायफ्राम की समस्या वाले लोग, या गर्भावस्था के दौरान, यह अभ्यास न करें; इससे पेट या छाती में तकलीफ बढ़ सकती है।

अनुलोम विलोम- अनुलोम विलोम में नाक से धीरे-धीरे सांस ली और छोड़ी जाती है। यह प्राणायाम मानसिक शांति, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और नींद सुधारने में मदद करता है। लेकिन अगर किसी को सांस की समस्या, ब्लड प्रेशर या हृदय रोग है, तो बिना प्रशिक्षक की मदद के अनुलोम विलोम करना सही नहीं है। गलत तरीके से अभ्यास करने पर चक्कर, सांस फूलना या थकान हो सकती है।

भ्रामरी- भ्रामरी में सांस छोड़ते समय भौंरे के गुंजन जैसी आवाज निकलती है। यह दिमाग को शांत करता है, सिरदर्द और मानसिक तनाव कम करता है। इसके फायदे अनेक हैं, लेकिन कान में समस्या, अत्यधिक शोर या सिर सिरदर्द होने पर इसे करने से नुकसान हो सकता है। तेज आवाज के साथ करना या बहुत ज्यादा देर तक करना सिरदर्द बढ़ा सकता है।

उद्गीथ- उद्गीथ में गहरी सांस लेकर धीरे-धीरे आवाज के साथ छोड़ी जाती है। यह फेफड़ों को मजबूत करता है और मानसिक तनाव कम करता है। हालांकि, अगर किसी को सांस लेने में तकलीफ है या गले में समस्या है, तो उद्गीथ प्राणायाम करने से गले में जलन, खांसी, या सांस फूलने जैसी समस्या हो सकती है।

आगे बढ़ते रहो आप, पति रणबीर और बेटी राहा के साथ समंदर किनारे मस्ती करती नजर आईं आलिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने 2026 के स्वागत के मौके पर अपने फैंस के लिए कुछ बेहद खास पेश किया है। आलिया भट्ट की निजी जिंदगी की झलकियां आमतौर पर सोशल मीडिया पर बहुत कम दिखाई देती हैं, लेकिन जब भी वह कुछ पोस्ट करती हैं, तो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो जाता है। ऐसे ही इस बार उन्होंने नए साल की शुरुआत एक प्यारी फैमिली फोटो के साथ की, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है। आलिया ने रविवार को इंस्टाग्राम पर अपनी और परिवार की पहली तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वह समंदर के किनारे पति व अभिनेता रणबीर कपूर और बेटी राहा के साथ दिखाई दे रही हैं। बैकग्राउंड में सनसेट का खूबसूरत नजारा देखने को मिल रहा है। तस्वीर में रणबीर अपनी बेटी राहा को हवा में उछालते नजर आ रहे हैं, जबकि आलिया उनके पीछे खड़ी मुस्कुराती हुई बेटी को देख रही हैं। इस छोटे से पल ने सोशल मीडिया पर फैंस को रोमांचित कर दिया। इस फोटो के साथ आलिया ने लिखा, आगे बढ़ते रहो आपज हैप्पी 2026। आलिया के इस पोस्ट पर फैंस ने खूब प्यार लुटाया है। सोशल मीडिया यूजर्स ने रेड हार्ट इमोजी और कमेंट्स के जरिए अपनी खुशी जाहिर की।साल 2026 आलिया और रणबीर दोनों के लिए ही खास होने वाला है। आलिया जल्द ही अल्फा और लव एंड वॉर जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। अल्फा एक जासूसी और एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी मुख्य भूमिका में हैं। वहीं संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में आलिया और रणबीर के साथ विक्की कौशल भी नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग और सेट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। वहीं रणबीर कपूर इस साल पौराणिक फिल्म रामायण में भी नजर आएंगे। नितेश तिवारी निर्देशित यह फिल्म इस साल दीपावली पर रिलीज होने वाली है। फिल्म में रणबीर भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी माता सीता के रोल में हैं। इसके अलावा, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे।

यश अभिनीत टॉक्सिक की टीम ने अफवाहों को किया खारिज

टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के निर्माताओं ने फिल्म की देरी से रिलीज की अफवाहों पर विराम लगाते हुए रिलीज डेट की पुष्टि कर दी है। जानिए यश अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक को आप सिनेमाघरों में कब देख सकेंगे।

कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर जानकारी आई थी कि यश फिल्म के कुछ हिस्सों से खुश नहीं हैं और दोबारा शूटिंग करवाना चाहते हैं। इसलिए फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ सकती है, लेकिन ये सिर्फ अफवाहें थीं। निर्माताओं का जवाब केवीएन प्रोडक्शंस ने एक्स हैंडल पर देते हुए यश का एक शानदार पोस्टर शेयर किया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, अभी 140 दिन बाकी हैं। टॉक्सिकद मूवी 19-03-2026 को रिलीज होगी। ट्रेड एनालिस्ट तरन आदर्श ने एक्स हैंडल पर जानकारी देते हुए लिखा, अफवाहों पर विराम लगाएं... यश की अगली फिल्म टॉक्सिक में देरी या देरी नहीं हुई है। टॉक्सिक 19 मार्च 2026 को रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है, जो उगादी, गुड़ी पड़वा और ईद के त्यौहारी सप्ताहांत के लिए बिल्कुल सही समय पर है। पोस्ट-प्रोडक्शन तब शुरू हुआ जब यश मुंबई में फिल्म रामायण की शूटिंग कर रहे थे।

शब्द सामर्थ्य -278

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 277 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द		स	पू	त
ल		ब	ल	वा	न			द
म	ह	क		खा	म	खां		बी
ग्न		त	ल	ना		स	फ	र
	म	रा				ना	टा	
	हि		स				फ	न
	ला	ज	वा	ब		म	ट	र
मां		ग		सं	त	ति		भ
	मा	त	ह	त			प	क्षी

प्राइम वीडियो की ओरिजिनल सीरीज द पिरामिड स्कीम का ऐलान, मजेदार है कहानी

प्राइम वीडियो ने अपनी ओरिजिनल सीरीज, द पिरामिड स्कीम का ऐलान किया है. द वायरल फीवर (ञ्क्क्स्न) ने इसे प्रोड्यूस किया है. श्रेयांश पांडे इसके क्रिएटर हैं. आशीष शुक्ला और श्रेयांश पांडे ने इसे डायरेक्ट किया है. यह ड्रामा सीरीज महत्वाकांक्षा और उसके परिणामों पर एक मजेदार लेकिन सोचने पर मजबूर करने वाला नजरिया पेश करती है.

द पिरामिड स्कीम एक बेचैन युवक गोल्डी की कहानी है, जिसकी मल्टी-लेवल मार्केटिंग बिजनेस के जरिए अमीर बनने की चाहत, परेशानी से भरे एक रोलरकोस्टर में बदल जाती है. इस तरह से यह न सिर्फ उसका भविष्य, बल्कि उसकी जॉइंट फैमिली का प्यार और विश्वास भी दांव पर लग जाता है.

इस सीरीज में परमवीर चीमा, रणवीर शौरी, शेखर सुमन, अंजन श्रीवास्तव, स्मिता बंसल और अल्फिया जाफरी सहित कई कलाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं. 2026 में प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होने जा रही द पिरामिड स्कीम में हैं अचानक से आने वाले ट्विस्ट, हंसी के पल, दिल टूटने की भावनाएं और हसल कल्चर की असली झलक है, जो दिखाती है कि बड़े सपनों के पीछे लोग कितनी दूर तक जाते हैं और इस सफर में एक इंसान अपनी कौन सी दौलत खो सकता है. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी जारी किया है और अपनी सीरीज के सभी कलाकारों के चेहरे दिखाए हैं. इसमें एक्टर शेखर सुमन भी नजर आ रहे हैं. सीरीज के शूटिंग सेट पर सभी कलाकार अपने-अपने अंदाज में नजर आ रहे हैं.

प्रभारी मंत्री नेताम ने 266 हितग्राहियों को डीबीटी से वितरित किए 31.92 लाख रुपये

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत शौचालय निर्माण हेतु दी गई प्रोत्साहन राशि

कोरिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन से गांव-गांव में स्वच्छता की एक नई जागरूकता आई है। अब प्रत्येक परिवार खुले में शौच से परहेज कर अपने सम्मान और स्वास्थ्य के लिए पक्के जलवाहित शौचालयों का नियमित उपयोग कर रहा है।

इसी क्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने बटन दबाकर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत 266 हितग्राहियों को शौचालय निर्माण हेतु 31 लाख 92 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से उनके बैंक खातों में अंतरित की। प्रभारी मंत्री नेताम गत दिवस जिले में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। लाभान्वित हितग्राहियों में जनपद पंचायत सोनहत के 97 तथा जनपद पंचायत बैकुंठपुर के 169 हितग्राही शामिल हैं। इस अवसर पर भारतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र की विधायक रेणुका सिंह, कलेक्टर चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी, डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से जिले में स्वच्छता की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। शौचालय निर्माण से न केवल स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा मिला है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि डीबीटी प्रणाली के माध्यम से राशि सीधे हितग्राहियों के खातों में पहुंचने से प्रक्रिया पारदर्शी, सरल और प्रभावी बनी है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार सभी पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी रूप से डीबीटी के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है तथा यह प्रक्रिया आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

195 करोड़ से अधिक का लेबर बजट तैयार

एमसीबी। जिला विकसित भारत जीरामजी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। जिले में तकनीक के बेहतर उपयोग से नया लेबर बजट तैयार करने की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। जिले के तीनों जनपद पंचायतों के अंतर्गत मनरेगा में पंजीकृत कुल 69 हजार 914 श्रमिक परिवारों के लिए आगामी वित्तीय वर्ष से लागू होने वाली विकसित भारत जीरामजी योजना के तहत व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। यह योजना वीबी-जी राम जी योजना 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' का हिस्सा है, जो मनरेगा में बदलाव लाकर ग्रामीण विकास और रोजगार को बढ़ावा देती है, जिसमें ग्रामीणों को 125 दिन का रोजगार गारंटी और कृषि कार्यों के लिए अतिरिक्त 60 दिन का अवकाश (विराम) मिलता है, जिसका लक्ष्य 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को पूरा करना है। यह योजना ग्राम सभाओं के माध्यम से लागू की जाती है और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाती है।

जीवन दीप समिति की बैठक में जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं की हुई समीक्षा

प्रभारी मंत्री ने बुजुर्ग देखभाल केंद्र की सराहना की

कोरिया। कलेक्टरेट सभाकक्ष, कोरिया में रविवार को प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम की अध्यक्षता में जीवन दीप समिति, जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर की साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विधायक रेणुका सिंह (विधानसभा भरतपुरङ्कसोनहत), कलेक्टर चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे, जिला वनमण्डलाधिकारी चन्द्रशेखर शंकर सिंह परदेशी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष वन्दना राजवाड़े, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रशांत सिंह, सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल सहित जीवन दीप समिति के सदस्य उपस्थित रहे।त्री नेताम ने जिला प्रशासन एवं डीएमएफ के सहयोग से प्रदेश का पहला बुजुर्ग देखभाल केंद्र प्रारंभ किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कलेक्टर चंदन त्रिपाठी की इस संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए कहा कि अन्य जिलों में भी इस प्रकार के बुजुर्ग देखभाल केंद्र प्रारंभ किए जाने पर विचार किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस बुजुर्ग देखभाल केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क जांच, उपचार, दवाइयां, फिजियोथेरेपी एवं पंचकर्म जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, सुचारू एवं जनहितकारी बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति, मानव संसाधन की स्थिति, ओपीडी, आईपीडी, प्रसव सेवाएं, शल्य क्रियाएं, डायग्नोस्टिक सेवाएं, ब्लड बैंक, डायलिसिस, स्क्ष्ट एवं एनआरसी सहित अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई।प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जीवन दीप समिति के 7 सदस्यों की नियुक्ति के संबंध में सहमति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त भंडार क्रय नियमों के अंतर्गत तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कारपोरेशन से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर जीवन दीप समिति द्वारा दवाइयों की खरीदी किए जाने पर भी सहमति दी गई। इसी प्रकार लैब रिएजेंट्स की खरीदी के लिए भी उक्त प्रक्रिया अपनाने का निर्णय लिया गया।बैठक` जीवन दीप समिति के आयङ्कव्यय विवरण, सामान्य कचरा निस्तारण व्यवस्था, नवीन ओपीडी एवं मीटिंग हॉल के सुदृढ़ीकरण, तथा जिला चिकित्सालय में 24म7 लैब एवं फार्मेसी संचालन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई, जिन पर प्रभारी मंत्री द्वारा सहमति प्रदान की गई।

सूरजपुर पुलिस ने सुरक्षित आवागमन के लिए आटो एवं ई-रिक्शा चालकों को दिया प्रशिक्षण

सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत सोमवार, 05 जनवरी 2026 को यातायात पुलिस के द्वारा स्टेडियम ग्राउण्ड सूरजपुर में नगर के 65 आटो एवं ई-रिक्शा चालकों को सुगम यातायात के लिए सुरक्षा से जुड़े विषयों, आपात स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया तथा यातायात नियमों की जानकारी के पोस्टर वाहनों में लगाए गए। इन प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा बढ़ाना, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और यात्रियों व चालकों की सुरक्षा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में यातायात पुलिस के द्वारा चालकों को यातायात नियमों से अवगत कराते हुए कहा कि नियमों का पालन करना अनिवार्य है, ताकि चालक और सफर कर रहे लोग सुरक्षित रहें। तेज गति से वाहन न चलाने, नशे का सेवन न करने और गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन या ईयरफोन का उपयोग न करने एवं वाहन से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के निर्देश दिए गए। चालकों को शपथ दिलाई गई और यात्रियों या सामान को ज्यादा भरकर न चलाने, नियमों का पालन न करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी, ताकि यात्रियों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और सड़क दुर्घटनाएं कम हो। इस अवसर पर एएसआई ब्यासदेव राय, प्रधान आरक्षक मुरीस खाखा, आरक्षक प्रेमसागर साहू, बिलोन बड़ा मौजूद रहे।

मुस्कान महिला सहायता समूहों को मधुमक्खी पालन का दिया गया प्रशिक्षण

सूरजपुर। जिला खनिज न्यास संस्थान अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग जिले में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत ''मुस्कान महिला स्व. सहायता समूह'' को मधुमक्खी पालन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। ''मुस्कान महिला स्व. सहायता समूह'' मधुमक्खी पालन की व्यवसाय को दक्षता के साथ कर सकें। इसके लिए कलेक्टर के निर्देश के अनुपालन में उद्यान विभाग द्वारा आज समूहो को एकदिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर दीदियों को मधुमक्खी पालन में उपयोग में लायी जाने वाली सामग्री का वितरण किया गया । प्रशिक्षण में बताया गया कि मधुमक्खी पालन कम लागत में अधिक मुनाफे वाला कृषि आधारित व्यवसाय है, जिसमें शहद, मोम, पराग, रॉयल जेली जैसे मूल्यवान उत्पाद मिलते है। इसके साथ ही मधुमक्खी पालन का व्यवसाय परागण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ट्रेनर द्वारा उपस्थितजनों को बताया गया कि प्रशिक्षित होकर वो छोटे या बड़े स्तर पर व्यवसाय शुरू कर सकते है। या बेरोजगार युवाओं और भूमिहीन किसानों के लिए लाभ कमाने का एक अच्छा विकल्प है। इसके साथ ही उपस्थितजनों को मधुमक्खी पालन के अन्य लाभ से भी अवगत कराया गया । उन्हें बताया कि शहद की बाजार में अच्छी मांग है और यह विभिन्न बीमारियों जैसे - अस्थमा, कब्ज में उपयोगी होने के कारण आसानी से बिकता है, जिससे अच्छा मुनाफा होता है। यह जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका भी अदा करता हैं। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पहाड़गांव की सरपंच निरा सिंह, जयपाल सिंह मरावी, सहायक संचालक उद्यान, मंगरू राम उद्यान अधीक्षक सूरजपुर एवं क्षेत्र में पदस्थ प्रक्षेत्र सलहाकार मंजीत यादव आदि उपस्थित रहे।

एनडीपीएस. एक्ट में एण्ड-टू-एण्ड के तहत् कार्यवाही कर 2 आरोपियों को भेजा गया जेल

चिरमिरी। एमसीबी जिले के कोयला चल नगरी चिरमिरी में इन दिनों पुलिस विभाग की मुस्तैदी को देख अवैध कारोबारियों की जहां नींद उड़ी हुई है वही वाहन चलन में सुरक्षा को लेकर नाबालिक युवाओं के साथ उनके अभिभावकों पर कार्यवाई को देख पुरे जिले में सड़क दुर्घटना पर जैसे विराम सा लगा हुआ दिखाई दे रहा है । इस तारतम्य मे चिरमिरी थाना प्रभारी द्वारा क्षेत्र में संचालित नशे के कारोबार एवं अवैध धंधे में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही कर अंकुश लगाये जाने निर्देशित पर भी एक अच्छी कार्यवाई देखने को मिल रही है । जिसके परिपालन में थाना चिरमिरी के अपराध 240/25 धारा 22 (सी), 29 एनडीपीएस. एक्ट में दिनांक 07. 10.2025 को मुखबीर सूचना पर हीरागीर दफाई हल्दीबाड़ी में रेड कार्यवाही कर आरोपी.. 1. शेख अल्ताफ पिता साहब सलाम उम्र 22 वर्ष निवासी हीरागीर दफाई हल्दीबाड़ी तथा.. 2. किशन रजक पिता स्व. तेज राम रजक निवासी हीरागीर दफाई हल्दीबाड़ी के कब्जे से रेक्सोजेसिक इंजे. 09 नग, इस्पास्मोनिल टेबलेट 10 नग, फेनिरामाईन इंजे. 10 नग, लाइजेसिक ब्रफेन इंजे. 12 नग, एविल 17 नग कुल 15700 रुपये जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया था। प्रकरण में श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा एण्ड-टू-एण्ड के तहत् कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करने पर श्रीमान् नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी श्रीमती दीपिका मिंज के मार्ग दर्शन पर थाना प्रभारी चिरमिरी विजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित किया कर नशीली दवाओं के मुख्य सप्लायर का पता तलास कर मुखबीर सूचना पर प्रकरण के आरोपी शिव शंकर पिता रामचरण राजवाड़े उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम सलबा' मेको रजवारीपारा थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया को 22.12.2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा पर जेल भेजा गया है तथा नशीली दवाओं के सप्लायर आरोपी शुभम यादव पिता राम समुझ यादव जाति अहीर उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम चनवारीड़ाड़ गौटियापारा मनेन्द्रगढ़ थाना मनेन्द्रगढ़ को ग्राम तिलौली कुवारंपुर से 04.01.2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है। इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरीक्षक विजय सिंह, सउनि. नईम खान प्रधान प्र.आर. 33 धीरेन्द्र सिंह आरक्षक विजय विश्वकर्मा सैनिक प्रमोद साहू की सराहनीय भूमिका रही ।

जोश से बदलेगी संस्थागत स्वच्छता की तस्वीर

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मत्स्य पालन तथा पशुधन विकास विभाग के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम जायसवाल ने एक दिवसीय प्रवास के दौरान खड़गवां जनपद ग्राउंड से राज्य की पहली 'जोश पहल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर संस्थागत शौचालयों की नियमित व वैज्ञानिक सफाई के उद्देश्य से 'जोश' को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। यह अनूठी पहल स्वच्छता, स्वास्थ्य और रोजगार-तीनों को एक साथ जोड़ती है। इसके अंतर्गत स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, छात्रावास, आंगनबाड़ी तथा अन्य संस्थागत/सामुदायिक शौचालयों की नियमित सफाई हेतु युवाओं को 'स्वच्छता प्रहरी' के रूप में नियुक्त किया जाएगा। प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि 'स्वच्छता केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में मांग के आधार पर उपलब्ध कराएं रोजगार के अवसर:डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी

कोरिया। कोरिया जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में मांग के आधार पर अकुशल रोजगार उपलब्ध कराए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक चंदन त्रिपाठी द्वारा आगामी 7 जनवरी को प्रत्येक ग्राम पंचायत में चावल उत्सव के साथ रोजगार दिवस एवं आवास दिवस आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रारंभ की गई 'मोर गांव मोर पानी' योजना के साथ जिले में संचालित 'आवा पानी झोंकी' अभियान को बढ़ावा देने हेतु अधिक से अधिक आजीविका डबरी निर्माण एवं आजीविका संवर्धन से संबंधित कार्य स्वीकृत किए जाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अब प्रत्येक माह की 7 तारीख को चावल उत्सव एवं रोजगार दिवस के साथ आवास दिवस भी

मनाया जाएगा। इस अवसर पर पंचायत राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए ग्राम पंचायतों में स्थापित क्यूआर कोड के माध्यम से योजनाओं की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। प्रत्येक माह आयोजित रोजगार दिवस के दौरान आजीविका डबरी निर्माण तथा जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों पर विशेष चर्चा की जाएगी। ग्रामीणों को डबरी के माध्यम से आजीविका संवर्धन की उपयोगिता के संबंध में जागरूक किया जाएगा। रोजगार दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा प्रारंभ की गई 'वी बी जी राम जी योजना' की जानकारी भी ग्रामीणों को दी जाएगी। इस योजना के अंतर्गत मनरेगा से आगे बढ़ते हुए पंजीकृत ग्रामीण परिवारों को 125 दिवस का अकुशल रोजगार उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है। जिला पंचायत द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार प्रत्येक ग्राम पंचायत में न्यूनतम 20 उपयुक्त कार्य युक्तधारा पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। तकनीकी मापदंडों के अनुसार आजीविका डबरी निर्माण, आजीविका संवर्धन योजना तैयार करना, संधारण अवधि के वृक्षारोपण एवं नर्सरी कार्यों को छोड़कर सभी अपूर्ण कार्यों को पूर्ण कराना, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को 90 दिवस की अकुशल श्रमिक राशि का लाभ प्रदान करना तथा क्यूआर कोड के माध्यम से योजनाओं की जानकारी का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा।

उपरोक्त निर्देशों की जनपद एवं जिला पंचायत स्तर पर प्रतिदिन निगरानी एवं समीक्षा की जाएगी। राज्य कार्यालय के निर्देशानुसार पांच लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कार्ययोजना तैयार कर मार्च 2026 तक समय-सीमा निर्धारित की गई है। निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों द्वारा समय-समय पर आवश्यक पर्यवेक्षण भी किया जाएगा।

आत्मनिर्भर भारत के तहत भाजपा ने किया युवा सम्मेलन

कोरिया बैकुण्ठपुर। आत्मनिर्भर भारत के तहत युवा सम्मेलन सांस्कृतिक भवन बैकुंठपुर मे भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी एवं प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम के गरिमामयी उपस्थिति मे कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम पश्चात प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम का करमा, ढोल-नगाड़ा व आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत किया। अतिथियों ने भारत माता, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर शुभारंभ किया।

इस अवसर प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि, युवा मोर्चा पार्टी की ताकत है, देश के परिवर्तन मे युवाओं का सबसे बड़ा योगदान है, उन्होंने कहा देश को स्वावलंबी बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने कार्य, उत्पाद और सोच में स्वदेशी भाव को अपनाना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और ऐसे समय में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने आह्वान किया कि युवा अपनी ऊर्जा, कौशल और नवाचार को समाज एवं राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित करें। विधायक रेणुका सिंह ने कहा युवाओं के कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है जिसको आप सभी मिलकर के पूरी कर सकते है आने वाला समय आपका है। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत ही देश के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है, उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में भारत ने अपनी वैक्सीन बनाकर न केवल अपने नागरिकों को सुरक्षा दी बल्कि पूरे विश्व को वैक्सीन उपलब्ध कराते हुए आत्मनिर्भर भारत की शक्ति को सिद्ध किया। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सतेन्द्र राजवाड़े ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को लेकर युवा मोर्चा कार्यकर्ता गाँव गाँव तक जाएंगे।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम, विधायक रेणुका सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, पूर्व नपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, जिला सहकारी बैंक सरगुजा के उपाध्यक्ष जगदीश साहू, जिला उपाध्यक्ष बसंत राय,अनिल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, नगर पालिका अध्यक्ष अरूण जायसवाल, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, कपिल जायसवाल,जिला मंत्री ईश्वर राजवाड़े, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सतेन्द्र राजवाड़े, जिला महामंत्री मनोज साहू, साक्षी सिंह राजपूत, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रीता यादव, जिला कार्यालय मंत्री मंजू जिवनानी,जिला सह मीडिया प्रभारी गणेश यादव, जिला सह मीडिया प्रभारी गणेश यादव, जिला सोशल मीडिया संयोजक जगनारायण साहू, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक, मैनेजर राजवाड़े, संजय चिकनजूरी, दीपा विश्वकर्मा, राजाराम राजवाड़े, रामलखन यादव, किशोर सिरदार, रवि त्रिपाठी, रमन गुप्ता, सचिदानंद द्विवेदी, मुन्ना चक्रधारी, सुशीला यादव, राकेश पैकरा, सुरेश सिरदार, सुरेश राजवाड़े,सहादुर, दीपक जायसवाल ,रोशन राजवाड़े,पुष्पा राजवाड़े, ममता कुशवाहा,मयंक राठौर, श्री राम दुबे, राम राजवाडे, नितिन जायसवाल, विक्की सारथी, देवी प्रसाद, सुमित राजवाड़े,आलेश्वरी गौतम, दिलीप राजवाड़े, राम कुशल राजवाड़े, राजू साहू,कृष्णा साहू, संतोष राजवाड़े, जयप्रकाश जयप्रकाश विश्वकर्मा उमा राजवाडे,अनिल गौतम, ब्रह्मानंद साहू, संजय साहू, शक्ति साहू,मनीष साहू ,तेजू सिंह, जय राजवाड़े, प्रवीण सिंह, लल्ला यादव,भुवनेश्वर राजवाड़े, मंटू सहित भारी संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

बच्चा चोरी के शक में महिला की पिटाई, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। राजधानी रायपुर के खम्हारडीह थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पार्वती नगर इलाके में बच्चा चोरी के संदेह में स्थानीय लोगों ने एक महिला को पकड़कर उसके साथ मारपीट कर दी। यह घटना सोमवार तड़के करीब 4:30 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला पर आरोप है कि वह मोहल्ले से एक बच्चे को उठाकर ले जाने की कोशिश कर रही थी। इसी दौरान लोगों को उस पर शक हुआ और उन्होंने महिला को घेर लिया। बच्चा चोरी की आशंका के चलते गुस्साए लोगों ने महिला की जमकर पिटाई कर दी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही खम्हारडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायल महिला को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने महिला को सुरक्षित अपने कब्जे में ले लिया है।

शासकीय कुकुट पालन प्रक्षेत्र की बदहाली: स्थानांतरण तक पुन: संचालन की मांग तेज

कोरिया बैकुंठपुर। जिले में लगभग 10 एकड़ भूमि पर संचालित शासकीय कुकुट पालन प्रक्षेत्र, जो कभी सरगुजा संभाग में हितग्राहियों एवं स्थानीय जनता को आय और आजीविका का महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता था, आज बदहाली और बंद व्यवस्था की मार झेल रहा है। जानकारी के अनुसार, यह प्रक्षेत्र 31 मार्च 2025 को अचानक फैली बीमारी के कारण बंद कर दिया गया था। इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा जुलाई 2025 में इस प्रक्षेत्र को पुन: संचालित करने का आदेश प्रसारित किया गया, लेकिन आदेश जारी होने के पाँच महीने बाद भी प्रक्षेत्र में गतिविधियाँ शुरू नहीं की जा सकी हैं।

लगातार बंद पड़े इस प्रक्षेत्र में करोड़ों की सामग्री जंग खा रही है। लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से बना भवन और करीब दो करोड़ रुपये की अत्याधुनिक मशीनरी बरसो से निष्क्रिय पड़ी हुई है, जिसका सीधा नुकसान न केवल शासन को हो रहा है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और पशुपालन आधारित आजीविका पर भी गहरा असर पड़ा है। संचालन के दौरान यह प्रक्षेत्र प्रतिवर्ष 80 से 90 लाख रुपये तक का राजस्व शासन को प्रदान करता था, जो अब पूरी तरह बंद हो चुका है। कुकुट पालन प्रक्षेत्र का महत्व सिर्फ राजस्व तक सीमित नहीं था। यह केंद्र सरगुजा संभाग के लगभग 4,000 हितग्राहियों को शासन की योजनाओं के तहत चूजा वितरण करता था, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा मिलता था। इसके अलावा, योजनाओं के अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर चार से पाँच हितग्राहियों को नियमित रूप से चूजा उपलब्ध कराया जाता था, जिससे छोटे पैमाने पर कुकुट व्यवसाय को मजबूती मिलती थी।जो शासन की योजन है स्थानीय बाजार में भी इस प्रक्षेत्र की अहम भूमिका रही है। हितग्राहियों और आम नागरिकों को यहाँ से मुर्गा, बटर और अंडे तक उपलब्ध कराए जाते थे, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं पोषण स्तर दोनों के लिए महत्वपूर्ण साधन थे। प्रक्षेत्र के बंद होने से न केवल रोजगार के अवसर प्रभावित हुए हैं, बल्कि पोल्ट्री उत्पादों की स्थानीय उपलब्धता और बाजार की आपूर्ति श्रृंखला भी बाधित हुई है। जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय जनों का यह मानना है कि यदि शासन की योजनाओं एवं प्रतिनिधियों की मंशा के अनुसार प्रक्षेत्र का स्थानांतरण आवश्यक है, तो स्थानांतरण की प्रक्रिया आगे चलकर की जा सकती है, लेकिन तब तक प्रक्षेत्र को पुन: संचालित करना हितग्राहियों तथा जनता दोनों के हित में होगा। उनका कहना है कि स्थानांतरण की कार्यवाही लंबी प्रक्रिया है, जबकि उपकरण एवं भवन पहले से मौजूद हैं। ऐसे में प्रक्षेत्र को चालू करने में देरी केवल संसाधनों की बर्बादी के साथ-साथ हितग्राहियों को मिलने वाले लाभ में भी बाधा उत्पन्न कर रही है। स्थानीय हितग्राही और पशुपालक शासन से मांग कर रहे हैं कि प्रक्षेत्र को अविलंब पुन: संचालन में लाया जाए, ताकि पूर्व की भांति लाभार्थियों को चूजा वितरण और पोल्ट्री उत्पाद उपलब्ध हो सकें, तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था में फिर से गति आ सके। उनका कहना है कि यदि जल्द कदम नहीं उठाए गए, तो करोड़ों की सामग्री की उपयोगिता और भवनों की संरचना पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, जिसका नुकसान आने वाले वर्षों तक झेलना पड़ेगा। सभी की नज़र अब शासन के निर्णय पर टिकी है—क्या करोड़ों की परिसंपत्तियों और हजारों हितग्राहियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रक्षेत्र को फिर से चालू किया जाएगा, या बंद पड़े संसाधन इसी तरह क्षति की ओर अग्रसर रहेंगे? समय इस महत्वपूर्ण मुद्दे का जवाब खुद शासन देगा, परंतु स्थानीय आवाज़ें स्पष्ट हैं—'स्थानांतरण बाद में, संचालन अभी जरूरी।' इस संबंध में कोरिया जिले के कलेक्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि पोल्ट्री फार्म स्थानांतरण हेतु ग्राम तरगवां में जमीन चिन्हित राज्य सरकार को एक करोड़ से ज्यादा का एस्टीमेट के प्रस्ताव बनाकर भेजा है लेकिन अभी तक बजट नहीं मिला है मामले में प्रभारी मंत्री राम विचार नेताम ने हेचरी को जल्द स्टार्ट करने निर्देश देने के साथ कुछ बजट उपलब्ध कराने की बात कही है आने वाले समय में इस और विशेष ध्यान दिया जाएगा। निश्चित तौर पर कोरिया जिले के कलेक्टर का प्रयास सराहनीय है।

नियम पालन करने से बनेगी बात : सड़क सुरक्षा जागरूकता माह के साथ महिला सुरक्षा पर विशेष कार्य इन दिनों जिले में किया जा रहा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को आधार बनाकर विभिन्न गतिबिधियां ट्रैफिक पुलिस की ओर से की जा रही है।सुरक्षित आवागमन के लिए सड़क संकेतकों की जानकारी लोगों को देने के साथ उन्हें बताया जा रहा है कि इसके फायदे क्या हैं और नियम पालन करना क्यों जरूरी है। अधिकारियों के निर्देश पर ट्रैफिक की टीम ने अनेक स्थानों पर जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम किए। स्वामी आत्मानंद हायर सेकेंडरी स्कूल पाली में साइबिर सेल ने महिला सशक्तिकरण पर छात्राओं से बात की। एएसआई आरएन रात्रे, ईश्वरी लहरे ने यातायात जागरूकता पर जानकारी दी। हाइवे पेट्रोलिंग और इंटरसेप्टर संयुक्त टीम ने सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध पर सुतर्रा और रजकम्मा में हाईस्कूल में विद्यार्थियों को अवगत कराया। इसी के साथ छत्तीसगढ़ की रजत जयंती और सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत विकासखंड मुख्यालय करतला एवं कोरबा के पाम मॉल में कार्यक्रम करते हुए लोगों को ट्रैफिक रूल्स की व्यवहारिकता से परिचित कराया गया। उन्हें बताया गया कि जिंदगी अनमोल है इसलिए सफर के दौरान सतर्कता बरती जाए। 31 जनवरी तक पुलिस बड़े हिस्से में इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास करेगी।

कूप कटाई को लेकर विवाद की स्थिति समझाईश देकर कराया काम : डीएफओ

कोरबा। केंद्रीय वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग से अनुमति लेकर हर साल फारेस्ट कूप कटाई करता है। कुछ कारणों से लगातार इस मामले में समस्या हो रही है। कोरबा के मदनपुर कोल्गा के बाद कटघोरा वनमंडल के जटगा रेंज में कूप कटाई को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हुई। लोगों ने दबाव बनाते हुए कामकाज को रूकवा दिया। डीएफओ ने बताया कि जानकारी मिलने पर लोगों को समझाईश दी गई और फिर काम संपन्न कराया।

कोरबा जिले के कटघोरा वनमंडल के अंतर्गत जटगा रेंज में विभाग ने कूप कटाई का काम इस वर्ष हाथ में लिया। उक्तानुसार अनुपयोगी और मृतप्राय वृक्षों को चिन्हित करने के साथ सूची तैयार की गई। इसे प्रक्रिया में शामिल करते हुए उपर भिजवाया गया। अनुमति प्राप्त होने पर कूप कटिंग शुरू कराई गई। खबर के अनुसार रेंज में बड़ा हिस्सा इसमें शामिल किया गया जहां पर संबंधित श्रेणी के सैकड़ों पेड़ शामिल थे। जंगल की बेहतरी के लिए इस तरह का काम हर वर्ष करना ही होता है। उद्देश्य यह है कि बीमार पेड़ों के कारण स्वस्थ पेड़ चपेट में न आने पाएं और उनका संरक्षण हो सके। जबकि अनुपयोगी पेड़ों की कटाई के साथ उनका व्यवसायिक उपयोग किया जाता है। इस वर्ष कूप कटिंग शुरू होने के कुछ समय बाद एक-दो स्थानों पर आसपास के ग्रामीणों ने मामले को लेकर विरोध दर्ज कराया। लोगों का कहना था कि व्यवस्था के अंतर्गत अनुपयोगी पेड़ों की कटाई कोई मसला नहीं है। उनका आरोप था कि इसकी आड़ में हरे-भरे पेड़ों की बलि दी जा रही है और जंगल को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इससे हमारी आजीविका प्रभावित होगी। लोगों के बढ़ते दबाव पर क्षेत्र में इस काम को रोकना पड़ा।

वहीं कटघोरा डीएफओ कुमार निशांत ने इस विषय को लेकर बताया कि जटगा रेंज में कूप कटिंग के काम में व्यवधान होने की सूचना पहुंची थी। लोगों के इस बारे में अपने तर्क थे। मौके पर अधिकारियों को भिजवाया गया। उन्होंने मामले को समझा और लोगों से बातचीत की। उन्हें बताया गया कि कूप कटिंग क्या है और यह किस तरीके से की जा रही है। उनकी आशंकाओं को पूरे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से दूर किया गया। डीएफओ ने कहा कि सभी चीजें स्पष्ट करने के साथ कामकाज को कम्प्लीट कराया जा रहा है। अब कोई दिक्कत नहीं है।

50 लोगों पर मामला दर्ज

इससे पहले वन मंडल कोरबा के अंतर्गत मदनपुर कोलगा में कूप कटिंग को लेकर आसपास के तीन गांव के लोगों का वन विभाग के साथ जमकर टकराव हुआ। उन्होंने कोलगा गुफा और आसपास के जंगल को नुकसान पहुंचाने एवं भविष्य में कोयला खदान को खोलने का रास्ता साफ करने का आरोप लगाते हुए कटिंग में लगे संसाधन को जप्त कर लिया था। विवाद बढ़ाने की स्थिति में कटिंग रोखनी पड़ी हालांकि बाद में फॉरेस्ट की ओर से इस बारे में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। लगभग 50 लोगों के खिलाफ मामले कायम किए गए, जिस पर लोगों ने जिला प्रशासन के पास पहुंचकर हाल में ही आपत्ति दर्ज कराई। ग्रामीणों ने इस कार्रवाई को अनुचित करार दिया। उनका साफतौर पर आरोप है कि मामला ग्रामीण क्षेत्र का है और पांचवीं अनुसूची वाले क्षेत्र से संबंधित। ऐसे में ग्रामसभा की शक्तियों का ध्यान नहीं रखा गया। बिना किसी प्रस्ताव के इस तरह के काम कराए जा रहे हैं। याद रहे दो वर्ष पहले कोल्गा मदनपुर क्षेत्र में सीएमपीडीआई के सर्वेक्षण को लेकर भी ग्रामीणों ने मोर्चा खोला था।

कोरबा के कुदमुरा व करतला रेंज में विचरण कर रहे तीन दंतैल, खतरा कायम

कोरबा। जिले के कोरबा वनमंडल अंतर्गत कुदमुरा एवं करतला परिक्षेत्र में तीन दंतैल हाथी विचरण कर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को खतरा बना हुआ है। जानकारी के अनुसार एक दंतैल हाथी कुदमुरा रेंज के कलमीटिकरा क्षेत्र में पड़ोसी धरमजयगढ़ वनमंडल से पहुंचा है।

दंतैल हाथी यहां आने के बाद जंगल में विचरण कर रहा है। तत्कालिक तौर पर इस हाथी द्वारा कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचाया गया है लेकिन हाथी के अकेले होने के कारण उत्पात मचाए जाने की संभावना को देखते हुए वन विभाग सतर्क है और उसकी निगरानी करने के साथ आसपास के गांवों में मुनादी कराने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। उधर करतला रेंज में भी दो दर्जन हाथियों के होने की पुष्टि हुई है। दोनों हाथियों को रेंज के नोनबिर्रा सर्किल के चिकनीपाली बीट के तिलईडबरा में बीती रात एक साथ घूमते हुए देखा गया। इससे पहले दोनों दंतैल अलग-अलग स्थानों पर घूम रहे थे, जिसमें से एक दंतैल हाथी काफी आक्रामक है। इसके द्वारा जिले में तीन लोगों को एक के बाद एक मौत के घाट उतार दिया गया था। जिसके कारण दंतैल हाथी जिस क्षेत्र में पहुंचता है, वहां के लोग दहशत में रहते हैं। इस दंतैल हाथी ने चिकनीपाली क्षेत्र में स्थित पहाड़ को विगत एक सप्ताह से अपना बसेरा बनाया है। दंतैल हाथी अधिकांश समय पहाड़ पर ही विचरण करते रहता है लेकिन बीच-बीच में पानी की तलाश में पहाड़ से नीचे उतरकर तिलईडबरा गांव के पास पहुंच जाता है। बीती रात यह दंतैल एक अन्य दंतैल के साथ इसी क्षेत्र में दिखाई दिया। इसके बाद वन विभाग सतर्कता बरतते हुए दंतैल हाथियों की निगरानी में जुट गया है। वहीं कटघोरा वनमंडल के जटगा एवं केंदई रेंज में 51 हाथी सक्रिय है। जिनकी निगरानी वन विभाग द्वारा लगातार की जा रही है। इस कार्य में ड्रोन कैमरे के अलावा मैदानी अमले की मदद ली जा रही है, जो हाथियों की हर गतिविधियों की जानकारी अधिकारियों को लगातार दे रहे हैं। हाथियों के बस्ती के निकट पहुंचने की सूचना मिलते ही वन अमला तत्काल मौके पर पहुंचता है और हाथियों को खदेड़ने के साथ वापस जंगल में जाने को विवश कर देता है।

जरूरतमंद को दिया गया श्रवण यंत्र रेड क्रॉस का अभियान बना सहारा

कोरबा। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा कोरबा के कार्यालय में संरक्षक रामसिंह अग्रवाल के मार्गदर्शन में बहरापन दूर करने हेतु निरंतर मानवीय सेवा अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर जरूरतमंदों को श्रवण यंत्र उपलब्ध कराकर उन्हें पुनः सामान्य जीवन से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

इसी क्रम में सुजीत जायसवाल, निवासी पुरानी बस्ती, कोऑपरेटिव बैंक के पास, कोरबा, जिला कोरबा, लंबे समय से सुनाई देने में गंभीर परेशानी से जूझ रहे थे। चिकित्सकीय जांच उपरांत चिकित्सको द्वारा उन्हें श्रवण यंत्र लगाने की स्पष्ट सलाह दी गई थी, किंतु आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे श्रवण यंत्र क्रय करने में असमर्थ थे। अपनी समस्या से निजात पाने हेतु सुजीत जायसवाल ने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी कोरबा के संरक्षक रामसिंह अग्रवाल को मेडिकल रिपोर्ट संलग्न करते हुए मौखिक एवं लिखित आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होते ही रेड क्रॉस संरक्षक द्वारा संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

इसके फलस्वरूप 05 जनवरी को रेड क्रॉस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सुजीत जायसवाल को निःशुल्क श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। श्रवण यंत्र प्राप्त होते ही उनकी सुनने की क्षमता में सुधार हुआ, जिससे उनके चेहरे पर खुशी और संतोष स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस अवसर पर लाभार्थी सुजीत जायसवाल ने भावुक होते हुए रेड क्रॉस संरक्षक रामसिंह अग्रवाल के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सहायता उनके जीवन में नई उम्मीद और आत्मविश्वास लेकर आई है। उक्त कार्यक्रम में जफर अली, सदाराम चंद्रा, फागुलाल चंद्रा सहित रेड क्रॉस से जुड़े अन्य गणमान्य नागरिक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिंधी समाज ने चालीहे महोत्सव में निकाली शोभायात्रा नगर में, महाआरती में भीड़

कोरबा। सिंधी समाज के ईष्टदेव भगवान वरुण देव के अवतार सांई झूलेलाल जी के पावन चालीहा महोत्सव का आज 4 जनवरी 2026, रविवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ भव्य समापन किया गया। यह महोत्सव 22 नवंबर 2025 से श्री झूलेलाल मंदिर, रानी रोड कोरबा में निरंतर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया जा रहा था।

चालीहा महोत्सव के दौरान श्री झूलेलाल मंदिर महिला सेवा समिति द्वारा प्रतिदिन श्री धूनी साहब का आयोजन कर भगवान झूलेलाल जी की महिमा का गुणगान किया गया। सर्व समाज के कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर मनोकामना ज्योत प्रज्ज्वलित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। समापन दिवस पर सुबह 11 बजे श्री झूलेलाल मंदिर में विधि-विधान से श्री बहराणे साहब की पूजा संपन्न हुई। इसके पश्चात दोपहर 1 बजे सिंधु भवन, रानी रोड में आम भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम 5 बजे श्री झूलेलाल मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो नगर भ्रमण करते हुए ठाकुर घाट, पुरानी बस्ती पहुंची। वहां महाआरती, पल्लव के पश्चात चालीहे साहब की ज्योत का परवान कर चालीहा महोत्सव का विधिवत समापन किया गया। इस अवसर पर श्री झूलेलाल मंदिर सेवा समिति कोरबा के सेवादारों ने सिंधी समाज सहित सभी धर्मप्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चालीहे महोत्सव ने समाज में भाईचारे, श्रद्धा और एकता का संदेश दिया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति से समापन कार्यक्रम भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ।

कुआं भट्ठा क्षेत्र में वैष्णव भवन का लोकार्पण 9 को

कोरबा। कोरबा जिले के कुआं भट्ठा क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर परिसर में वैष्णव समाज के लिए श्री वैष्णव विकास समिति, कोरबा के तत्वावधान में नव निर्मित वैष्णव भवन का भव्य लोकार्पण आगामी 9 जनवरी शुक्रवार को किया जाएगा। इसी पावन अवसर पर रामानंदाचार्य महाराज का जन्मोत्सव भी श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

इस अवसर को लेकर पूरे वैष्णव समाज में विशेष उत्साह और उमंग का वातावरण बना हुआ है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह वैष्णव भवन समाज के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, धार्मिक चेतना और सांस्कृतिक जागरूकता का सशक्त केंद्र बनेगा। यहां भविष्य में धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक बैठकें, सांस्कृतिक आयोजन एवं युवा पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।लोकार्पण एवं जन्मोत्सव समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के श्रम, उद्योग, वाणिज्य एवं आबकारी विभाग मंत्री सह कोरबा नगर विधायक लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। वहीं कोरबा लोकसभा क्षेत्र सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत एवं कोरबा नगर निगम की महापौर श्रीमती संजुदेवी राजपूत विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएंगी।

जानकारी के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9 बजे दीप प्रज्वलन एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की जाएगी। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित होगा। समाज के वरिष्ठजनों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले समाज बंधुओं का सम्मान किया जाएगा। साथ ही समाज के होनहार एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मान पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया जाएगा।

समाज की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया है, जिसमें भक्ति, संस्कृति और सामाजिक समरसता की झलक देखने को मिलेगी। आयोजन समिति के अनुसार, यह कार्यक्रम युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा और समाज को नई दिशा प्रदान करेगा। कार्यक्रम के समापन पर सभी आगंतुकों के लिए नाश्ता एवं भोजन प्रसाद की समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे सहभागीजन आत्मीयता एवं सद्भाव के वातावरण में प्रसाद ग्रहण कर सकें।

सुरेंद्र बने धर्मसेना के प्रदेश संरक्षक

कोरबा। पिछले दिनों धर्म सेना क्रांति बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रबल प्रताप जुदेव, सुरेन्द्र बहादुर सिंह , अंजु गबेल को प्रदेश संरक्षक बनाया गया है। जबकि विष्णु पटेल को प्रदेश उपाध्याक्ष व रूपेन्द्र गबेल क महामंत्री बनाया गया है। इस नियुक्ति पर आर के शर्मा मोहित ,, सत्यप्रकाश ,छबि साहू, प्रकाश शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

भाजपा ने बनाई जिला स्तरीय समन्वय टोली,चुलेश्वर संयोजक

कोरबा। वी बीवी जी राम जी जागरूकता अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने एवं संगठनात्मक समन्वय को सुदृढ़ बनाने के उद्देश से भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा के जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी द्वारा जिला स्तरीय टोली का गठन किया गया हैं। गठित टोली इस प्रकार है संयोजक चुलेश्वर राठौर, सदस्य डॉ. पवन सिंह , उमेश, रामकुमार गभेल। यह टोली अभियान के अंतर्गत जिले भर में समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करेगी तथा कार्यकर्ताओं के साथ सतत संपर्क बनाए रखेगी। पार्टी नेतृत्व ने विश्वास जताया है कि नवगठित टोली अभियान को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।

आबकारी टीम पर लूट-खसोट करने का लगा आरोप

कोरबा। कोरई गांव की महिलाओं ने शराबबंदी को लेकर आबकारी टीम पर लूट-खसोट करने का गंभीर आरोप लगाया है। जिलाधीश से इस मामले में लिखित शिकायत की गई। गांव की काफी महिलाएं शिकायत करने पहुंची थी। उनका आरोप है कि शराब की धरपकड़ करने आबकारी टीम गांव में आती है। कुछ लोगों को कब्जे में लेने के साथ डराने-धमकाने का काम किया जाता है।

2025 तक के निर्माण के मूल्यांकन और नौकरी पर बनी सहमति त्रिपक्षीय वार्ता में

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड दीपिका विस्तार क्षेत्र में हरदी बाजार के इलाके की जमीन को अर्जित करने के मामले में आ रही समस्याओं और लोगों की आशंकाओं का समाधान करने त्रिपक्षीय बैठक की। इस मौके पर विशेष रूप से कहां गया कि सभी प्रकार के निर्माण के मामले में 2025 की स्थिति में मूल्यांकन किया जाएगा।

इस बैठक में प्रबंधन के साथ-साथ जनप्रतिनिधि और प्रभावित होने वाला वर्ग उपस्थित रहा। कटघोरा क्षेत्र के वर्तमान विधायक प्रेमचंद पटेल और पूर्व विधायक पुरुषोत्तम लवर्स ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रबंधन से जुड़े अधिकारी और हरदी बाजार क्षेत्र के भूमि स्थापित खास तौर पर शामिल हुए। बैठक में विस्थापितों की ओर स्थाई नौकरी देने की बात की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि दूसरे विकल्प की चर्चा इस मामले में नहीं होना चाहिए और ना ही इसे स्वीकार किया जाएगा। मुआवजा को लेकर भी पारदर्शिता के सिद्धांत को अपनाने की बात की गई। किसी भी तरह से गोल-गोल रवैया नहीं अपनाने पर जोर दिया गया। अंतिम रूप से अधिकारियों ने कहा कि हरदी बाजार क्षेत्र में प्रभावित होने वाली परीसंपत्ति के मामले में 2025 तक के निर्माण को स्वीकार किया जाएगा, जो इससे पहले दूसरे वर्षों में प्रचारित किया जा रहा था। बसाहट को लेकर भी त्रिपक्षीय बैठक में विस्तार से बातचीत हुई। अधिकारियों की ओर से नवीन पुनर्वास स्थल और वहां पर दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी लोगों को अवगत कराया गया। जानकारी मिली है कि काफी सौहार्द पूर्ण वातावरण में यह बैठक की गई।

इसलिए सहमत हुए लोग

माना जा रहा है कि कोरबा जिले में चारों तरफ पावर प्लांट के बाद अब केवल कोयला खदानों का नेटवर्क मजबूती से स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। तमाम तरह से अपनी आपत्ति दर्ज करने पर भी लोगों को हासिल कुछ नहीं हो रहा है। हर स्तर की लड़ाई में नकारात्मक परिणाम सामने आने से लोगों ने लगभग स्वीकार कर लिया है कि उन्हें अपना सब कुछ कोयला खदानों के लिए समर्पित करना ही होगा। रहा सवाल हरदी बाजार का, तो वहा इस मामले में लोगों ने काफी दिनों तक संघर्ष किया। जिस प्रकार से उन पर दबाव की स्थिति रही ऐसे में उन्हें प्रदर्शन समाप्त करने के लिए आखिरकार मजबूर होना ही पड़ा। शायद इसलिए लोगों ने तय कर लिया कि अब विस्थापन ही एकमात्र रास्ता है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रासंपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com